सिराज शिरवा

वार्षिक पत्रिका

2021-22

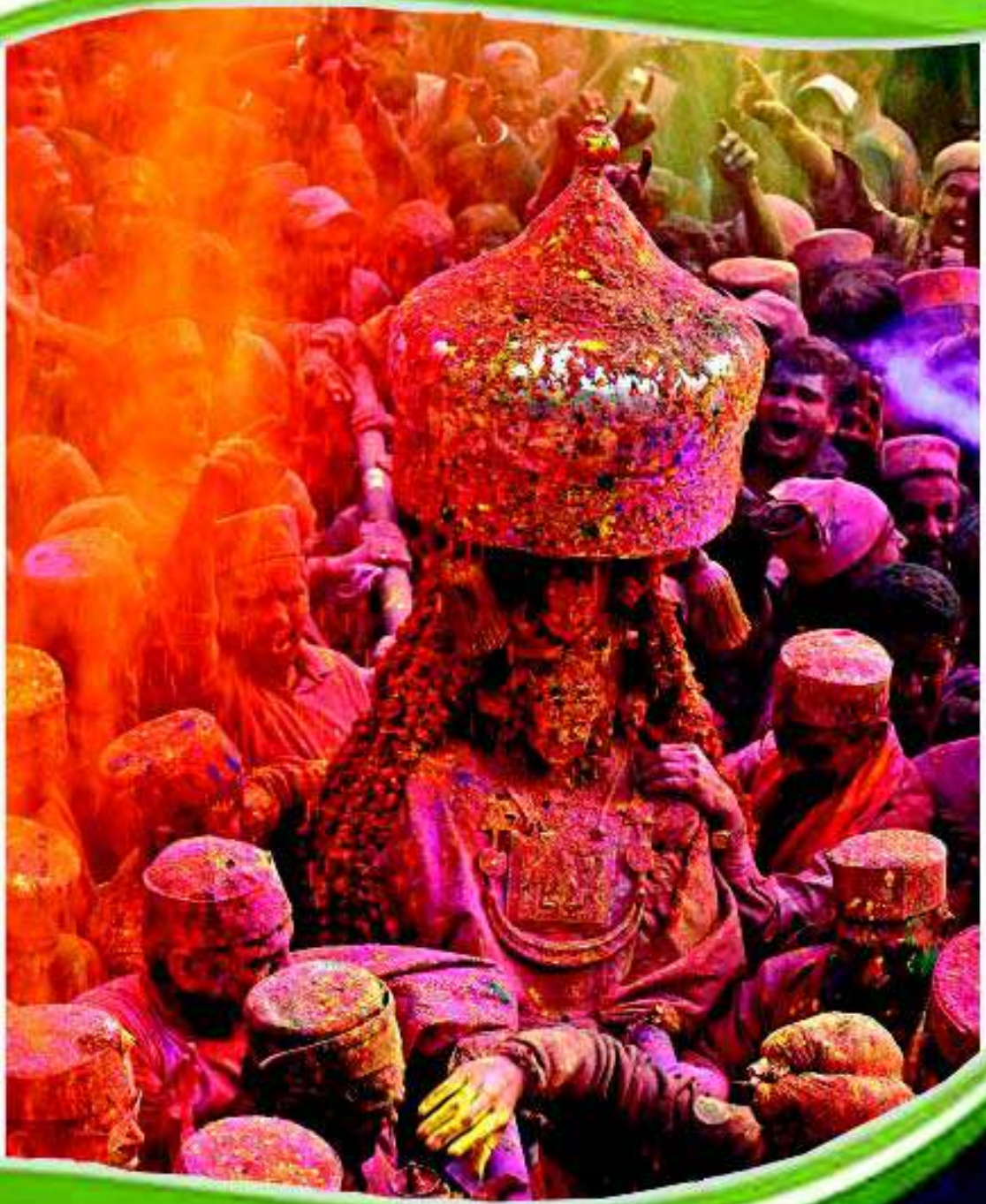

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, बंजार, कुल्लू (हि.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद् द्वारा 'बी' मूल्यांकित संस्थान

Editorial Board

Mrs. Neeraj Kapoor
Principal

Dr. Joginder Singh Thakur
Editor-in-Chief

Dr. Ashok Sharma
Staff Editor- HIndi

Beena Kumari
Stdent Editor- HIndi

Prof. Dave Ram
Staff Editor- Comm.

Twinkle
Student Editor- Comm.

Sh. Ishaan Marvel
Staff Editor- English

Babita
Student Editor- English

Sh. Naresh Kumar
Staff Editor- Sanskrit

Sunita Devi
Student Editor- Sansskrit

Dr. Nirmala Chauhan
Staff Editor- Science

Pallavi Thakur
Student Editor- Science

Sh. rajnesh Thakur
Staff Editor- Pahari

Davinder Verma
Student Editor- Pahari

Cover Photo by : Sh. Suresh Kumar (Gaushala Holi, a Local Festival)

Dr. Amarjeet K. Sharma
Director (Higher Education)

Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh
Shimla - 171001
Tel. : 0177-2656621 Fax : 0177-2811347
E-mail : dhe-sml-hp@gov.in

MESSAGE

It is a matter of immense delight for me to know that your college is going to publish the college magazine .

College magazine is a very useful medium for young minds to express their bristling ideas and thoughts. It gives a chance to students, the budding writers, to get the attention of others through their creative and contemporary writings. It is an essential ingredient of college regular activities and documentation of such events. The true purpose of higher education is to open the horizons for the curious young minds and to refine and polish them in such a way that they become responsible citizens of our country.

I wish your college a great future and grand success to the college magazine. I also congratulate the Editor(s) of the magazine and wish everyone all the best in their ventures.

Jai Hind.

(Dr. Amarjeet K. Sharma)

From the Principal's desk

"Having eyes, but not seeing beauty; having ears, but not hearing music; having minds, but not perceiving truth; having hearts that are never moved and therefore never set on fire. These are the things to fear…"

My dear students, education in the real sense lies in eliminating these fears, so eloquently described by the Japanese author, Tetsuko Kuroyanagi in her book *Totto-chan: The Little Girl at the Window*. The quote reminds us what really matters, not only in terms of education, but also in life itself. I hope it serves as an inspiration to you all, and ignites a sparks within you to strive to develop the qualities of head and heart.

What better way is there to kindle this spark than our lovely college magazine, *Sirajshikha*! There can't be a better platform for the young creative minds than the college magazine, that provides you the opportunity for self-expression - the expression of your insights, keen observations and perceptions regarding the important issues you strongly feel about. You can also write about natural landscape, unique customs and traditions of your region thereby providing a glimps into the rich cultural heritage of the region to a wider public. A college magazine is also a reflection of the identity of the institution as it mirrors the life in the campus and highlights achievements of students in academic and co-curricular activities during the session. I take this opportunity to congratulate the students for excelling in various fields besides academics as well as the staff members for their constant guidance and mentoring of the students.

Dear students, the real education lies not in the acquisition of knowledge, but in the development of our competencies so that we are prepared to face life and do good not only for our own well-being but for the welfare of society and the nation at large. It is only by using our knowledge and skills in creative ways that we can have valued outcomes in new contexts and contribute our bit for humanity. So, I would like you to be creative and not to be scared of committing mistakes and grab the opportunity to hone your creative writing skills and other skill sets and to express yourself freely. I am sure these skill sets will stand you in good stead in your future life. Moreover, participate in different activities organized in college for multifaceted development of your personalities and do find a mention in the college magazine. Finally, I would like to take the opportunity to congratulate all the contributors as well as the editorial board for their painstaking efforts in bringing out this latest edition of *Sirajshikha.*

Neeraj Kapoor

मुख्य सम्पादक की कलम से...

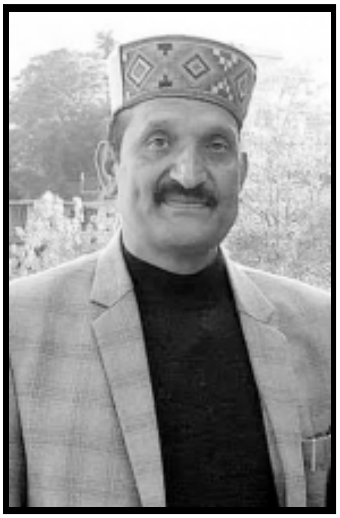

किसी भी देश के अस्तित्व की पहचान उस राष्ट्र की अस्मिता, उस देश के आम जनमानस की सभ्यता और संस्कृति से बनती है, जिसके प्रमुख घटकों में साहित्य परम्परा का प्रमुख स्थान है। 'सिराज शिखा' महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के लिए भाव–अभिव्यक्ति की गौरवशाली पत्रिका है, जिसमें सभी छात्र–छात्राओं को एक वैचारिक मंच के साथ नई पहचान मिलती है। आज भूमण्डलीकरण के दौर में जहां सब–कुछ डिजिटल हो रहा है, वहीं शिक्षा का क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। कोविड–19 जैसी महामारी ने पूरी दुनिया में मानव जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है, जिसने विश्व व्यवस्था को सोच में परिवर्तन लाने को मजबूर कर दिया है।

मनोविज्ञान की दृष्टि से चिन्तन करना मनुष्य की पहचान है, चिन्तन करने के पश्चात् जो विचार हमारे मन में उठता है, उसे हमारी भावना से बल मिलता है। सकारात्मक विचारों की तरंग मनुष्य को सफलता और आनंद प्रदान करती है, जबकि नकारात्मक विचारों की तरंगे आत्म–विश्वास में कमी, विषाद, तनाव, ईर्ष्या व वैर की भावना ज्वाला भड़का सकती है। आज वैज्ञानिक एवं तकनीकी युग में सभी विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष करना अपरिहार्य हो गया है। स्वयं के प्रति दृढ़ संकल्प एवं अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा का उपयोग करते हुए स्वयं के भीतर अदम्य उत्साह एवं क्षमता के प्रति विश्वास रखने वाले विद्यार्थी ही असम्भव कार्य को सम्भव कर सकते हैं। यदि जेम्स वाट केतली में उबलते हुए पानी से बनने वाली भाप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते तो न रेल का इंजन बनता, न रेल बनती। इसलिए हम आज जो कुछ बनना या बनाना चाहते हैं, तो अनवरत कोशिश करते रहना चाहिए।

अन्त में मैं ''सिराज शिखा'' पत्रिका में छात्र–छात्राओं की स्वरचित रचनाओं के साथ, जिनके सतत प्रयासों से संस्थान अपनी गरिमा बनाए रखने में निरन्तर अग्रसर है, उन्हें बधाई देता हूं।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीरज कपूर, सभी अनुभागों के सहयोगी प्राध्यापकों एवं छात्र–सम्पादकों के अथक प्रयासों से यह अंक आप के सम्मुख है। मैं उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

डॉ. जोगिन्द्र सिंह ठाकुर
मुख्य–सम्पादक

Statement about ownership and other particulars of 'Siraj Shikha'
Required under rule-8 of press and registration of books act.
Form -(IV)
(see Rule-8)

Place of publication	:	Banjar
Periodicity of its publication	:	Annual
Owner's Name	:	Mrs. Neeraj Kapoor
Address	:	Principal Govt. College, Banjar Distt. Kullu (H.P.)
Name of Printing press.	:	Himtaru Prakashan Samiti, Kullu, H.P.
Nationality	:	Indian
Address	:	Near Main Post-Office, Dhalpur, Kullu.
Chief Editor's Name	:	Dr. Joginder Singh Thakur
Nationality.	:	Indian
Address	:	Govt. College, Banjar Distt Kullu, H.P.

I, Neeraj Kapoor hereby declare that particulars given above are true and correct to best of my knowledge and belief.

Sd/-

Neeraj Kapoor
Principal Govt.College Banjar,
Distt. kullu, Himachal Pradesh.

The views expressed by the writers are their own and the Editorial board does not necessarily agree to them. **Editor-in-Chief**

Cover Page : Gaushala Holi, a Local Festival
by : Sh. Suresh Kumar A.P.

क्रमांक

क्र.सं.	अनुभाग	पृष्ठ संख्या
01.	हिंदी अनुभाग	10
02.	अंग्रेज़ी अनुभाग	18
03.	विज्ञान अनुभाग	25
04.	वाणिज्य अनुभाग	32
05.	संस्कृत अनुभाग	36
06.	पहाड़ी अनुभाग	44

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र : 2021–22

राजकीय महाविद्यालय बंजार में वर्ष 2021–22 में विद्यार्थियों की संख्या 996 है जिनमें से 402 छात्र तथा 594 छात्राएं हैं। शैक्षणिक कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए 21 प्राध्यापक तथा 09 गैर शिक्षक कर्मचारी कार्यरत हैं। 20–22 अक्तूबर 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रमाणन परिषद् (NAAC) द्वारा संस्थान को बी' ग्रेड प्रदान किया गया है। इस शिक्षा केन्द्र में कला संकाय भवन, जिसमें विभिन्न प्रयोगशालाएँ, एक सेमिनार हॉल, परीक्षा हॉल, आई॰ टी॰ प्रयोगशाला और पुस्तकालय स्थापित किया गया है। उच्च शिक्षा की गुणवता को बनाए रखने के लिए आन्तरिक गुणवता आश्वासन सेल (IQAC) का गठन भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के तहत किया गया है।शिक्षा के साथ–साथ खेल–कूद, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) थल स्कन्ध, रोवर्स–रैंज़र, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्त्व दिया जा रहा है।

वार्षिक परीक्षा परिणाम

यह हम सब के लिए गर्व का विषय हैं कि विद्यार्थी अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर इस वर्ष भी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। इस वर्ष विज्ञान तृतीय वर्ष में 94 प्रतिशत तथा अन्य सभी कक्षाओं में परिणाम शत् प्रतिशत रहा है।

छात्रवृतियाँ

सत्र 2020–21 में अलग–अलग योजनाओं के द्वारा विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृतियाँ प्रदान की गई जिसका कुल योग 3,60,240 रु0 है।

महाविद्यालय पत्रिका

तेज़ी से यांत्रिक होते जा रहे इस दौर में मनुष्य में, समाज के उन वर्गों के प्रति चेतना लाने हेतु, जो हाशिए पर हैं, के प्रति संवेदना व सहानुभूति जागृत करने की दृष्टि से पढ़ने–लिखने का माहौल तैयार करने के उद्देश्य से संस्थान की पत्रिका **'सिराज शिखा'** प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है। जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विचार एवं भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है।

भूतपूर्व छात्र संघ

2018–19 में प्राचार्या महोदय की अध्यक्षता में भूतपूर्व छात्र संघ का गठन सर्वसम्मति से 14 जुलाई 2018 को किया गया था। इस संघ के वर्तमान सचिव प्रो0 टीकम राम है।

अध्यापक–अभिभावक संघ

संस्थान के विभिन्न विकासात्मक कार्यों, छात्रों, अभिभावकों और महाविद्यालय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के नियमानुसार अध्यापक–अभिभावक संघ का गठन किया गया। इस वर्ष संस्थान की प्राचार्या प्रो0 नीरज कपूर की अध्यक्षता में सत्र 22 जुलाई 2021–22 के लिए अध्यापक अभिभावक संघ के लिए निम्न पदाधिकारियों का चुनाव किया गया जिसमें प्रधान श्री जय सिंह ठाकुर, उप प्रधान श्री कुन्दन लाल, सचिव डॉ0 जोगिन्द्र ठाकुर, सह सचिव श्रीमति राजेश्वरी, मुख्य सलाहकार श्री चेतराम ठाकुर तथा कोषाध्यक्ष डॉ0 डाबे राम चुने गए। इसके अतिरिक्त श्री श्रवण शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्री चुन्नी लाल, श्रीमती रोशनी देवी, डॉ0 रेणुका थपलियाल, प्रो0 नरेश कमल, डॉ0 अशोक कुमार, प्रो0 मोनिका को कार्यकारिणी सदस्यों के रुप में मनोनीत किया गया।

विशेष उपलब्धियां

2021 में जिन विद्याथिर्यों ने इस महाविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है, उन मे से 5 विद्यार्थियों ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय हि0 प्र0, 3 विद्यार्थियों ने हि0प्र0 विश्वविद्यालय शिमला तथा एक विद्यार्थी का चयन क्षेत्रीय केन्द्र धर्मशाला में हुआ हैं। महाविद्यालय के 12 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को सरकार द्वारा लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया है।

सत्र 2021–22 के दौरान उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत जीविकोपार्जन परामर्श प्रकोष्ठ के लिए मिलि राशि के अन्तर्गत 25 दिसम्बर 2021 से 1 फरवरी 2022 तक महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों ने पांवटा साहिब में आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और निकट भविष्य में उन्हे रोज़गार मिलने की संभावना है। महोदय जी राजकीय महाविद्यालय एक अग्रणी संस्था है, जिसने विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए एक माह की रोज़गार हेतु प्रशिक्षण (On Job Training) के लिए अवसर प्रदान किया है।

हि0 प्र0 में बंजार महाविद्यालय को ISRO केन्द्र देहरादून द्वारा Online Outreach Program के लिए क्षेत्रीय केन्द्र बनाया है तथा भूगोल विभाग की एसोसिएट प्रो0 डॉ0 रेणुका थपलियाल को समन्वयक मनोनीत किया है। इस सत्र में इस केन्द्र के द्वारा चार ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

– राज्य कर और उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय कुल्लू में वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए ज़िला स्तरीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें कुमारी दीपा और टिंवकल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया इनका चयन मण्डी के लिए ज़ोनल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। उसमें दीपा और टिंवकल ने बेहतरीन प्रदर्शन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

– स्वयं सेवी कुमारी श्यामा देवी का राष्ट्रीय स्तर पर आर.डी. कैम्प जयपुर में चयन हुआ।

–'कारगिल विजय दिवस' 2 HP Bn. मण्डी में ज्योतिरादित्य कैडेट ने पोस्टर मेकिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा भूपेन्द्र ठाकुर ने 25 मी. एयर राईफल फायरिंग में द्वितीय स्थान तथा समूह नृत्य में कैडेट्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्राध्यापकों की शैक्षणिक तथा अन्य उपलब्धियाँ

– श्रीमति नीरज कपूर (अंग्रेज़ी विभाग), श्री नरेश कमल (भूगोल विभाग), डॉ0 दुनी चन्द राणा राजनीति शास्त्र विभाग, श्रीमति मोनिका, श्रीमति रिचा आहलुवालिया ने अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

– डॉ0 रेणुका थपलियाल ने जवाहर लाला नेहरु विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित "Research Methods, Tools and Plagrism Detection Software" पर पांच दिवसीय Virtual Workshop में भाग लिया। इसके अतिरिक्त इनके कुशल नेतृत्व में जीविकोपार्जन योजना के अन्तर्गत चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी तथा NIGMT फाउन्डेशन दिल्ली के संयुक्ततावधान में ऑनलाईन वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों कुछ पूर्व छात्रों तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया जिन्हे प्रमाण पत्र भी दिए गए।

– डॉ0 रेणुका थपलियाल, श्री नरेश कमल, डॉ0 योगराज तथा श्री विकास नेगी ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय कार्यशालाओं में भाग लिया।

– श्रीमती नीरज कपूर, श्री नरेश कमल, डॉ0 योगराज, डॉ0 निर्मल चौहान, श्री सुरेश कुमार, डॉ0 दुनी चन्द राणा, श्री रजनीश कुमार तथा श्री अतुल चौधरी ने पुनश्चर्या कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किए।

– डॉ0 डाबे राम, श्रीमति ज्योति बाला, श्री नरेश कुमार, श्री विकास नेगी तथा श्रीमति मोनिका ने ओरिएन्टेशन प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूर्ण किए।

– डॉ0 रेणुका थपलियाल के कुशल नेतृत्व में जीविकोपार्जन योजना के अन्तर्गत चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी तथा NIGMT फाउन्डेशन दिल्ली के संयुक्तताधान में ऑनलाईन वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों कुछ पूर्व छात्रों तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया जिन्हे प्रमाण पत्र भी दिए गए।

– डॉ0 अशोक कुमार हिन्दी विभाग ने विशेषज्ञ समीक्षित पत्रिका में तीन शोध पत्र तथा सम्पादित पुस्तक में दो लेख प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त 18 दिसम्बर 2021 को विक्रम शिला हिन्दी विद्यापीठ भागलपुर (बिहार) द्वारा डि. लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित हुए।

– डॉ0 दुनी चन्द राणा राजनीति विभाग ने राजकीय महाविद्यालय हरिपुर मनाली द्वारा आयेजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर सह–सत्राध्यक्ष भाग लिया।

– प्रो0 ज्योति बाला शारीरिक शिक्षा विभाग ने "Athletics Fedration of India" द्वारा आयोजित ज़िला तकनीकि अधिकारी की परीक्षा उतीर्ण की। इन्होने हि0 प्र0 विश्वविद्यालय से अन्तर्विश्वविद्यालय हॉकी चैमपियनशिप कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित हॉकी कोच के रुप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तथा दो संस्थानों में स्त्रोत वक्ता के रुप में अपनी उपस्थिति दी।

– श्रीमति मोनिका ने पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित 21 दिवसीय योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा एक संस्थान में स्त्रोत वक्ता के रुप में अपनी उपस्थिति दर्ज़ की।

विकासात्मक कार्य

आधुनिक युग सूचना एवं प्रौद्योगिकी का युग है तथा कोरोना महामारी के चलते इसकी प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरुप शिक्षा का स्वरुप भी बदल रहा है। इसलिए उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना तथा रुसा–II अनुदान के तहत महाविद्यालय मे सूचना एवं प्रोधौगिकी (Information and Technology) सेक्टर के विस्तारीकरण पर अधिक बल दिया गया है। महाविद्यालय की नई वेबसाईट विकसित की गई है जिसमें विद्यार्थियों तथा अन्य हितधारकों को जानकारी प्रदान करने के लिए दैनिक गतिविधियों से सम्बन्धित सूचना अभिभारण (Upload) किया जाता है।

इस वर्ष विद्यार्थियों के प्रवेश से लेकर कार्यालय का कार्य ऑनलाईन प्रबन्धन प्रणाली (Online Management System) के द्वारा जोड़ा जा चुका है जिससे सभी विद्यार्थी इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे है तथा वितीय रिपोर्ट भी स्वचलित रुप से उत्पन्न होती है।

पुस्तकालय में पुस्तकों की डिजिटल केटेलॉगिंग कर बार कोडिंग की जा रही है और इसे ऑनलाईन जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। INFLIBNET N-स्पेज सदस्यता से जोड़ने का कार्य भी प्रगति पर है तथा पुस्तकालय में प्राध्यापकों को शोध कार्य हेतु शोध केन्द्र स्थापित किया गया है। विद्यार्थियों की संचार कौशल विकसित करने हेतु भाषा प्रयोग शाला (Language Lab) स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।

महाविद्यालय भवन के भीतरी भाग में रंग रोगन का कार्य सम्पूर्ण हो चुका है खेल अवसंरचना (Sports Infrastructure) को तैयार किया जा रहा है।

उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना एवं रुसा–II के अन्तर्गत वर्षाजल संरक्षण (Rain Water Harvesting) हेतु, Biodegradable Waste Pit तथा पानी की निकासी, कैन्टीन उन्नयन (Canteen Upgradation) और कॉलेज की तरफ सड़क पक्का करने के कार्य हेतु राशि लोक निमार्ण विभाग को दी जा चुकी है। महाविद्यालय परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए हिमुडा (Himachal Pradesh housing & Urban Development Authority) को पैसा दिया जा चुका है ताकि पार्किंग स्थल बनने पर सभी विद्यार्थी, अध्यापक एवं आगन्तुक इस सुविधा से लाभान्वित हो सके।

आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्यत्व की स्वर्णिम जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें एन.एस.एस., एन.सी.सी., रोवर्स एंड रेंजर्स के स्वयं सेवियों तथा अन्य विद्यार्थियों ने हिमाचल प्रदेश की गौरव गाथा, बेटी है अनमोल, हिमाचल की सांस्कृतिक धरोहर तथा नशा मुक्ति से संबधित निबंध लेखन, नारा लेखन, भाषण, काव्य पाठ, पोस्टर मेकिंग आदि तथा स्वतन्त्रता संग्राम के गौरवमय इतिहास से संबधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत विवरण इस प्रकार से है:–

– 23 जुलाई 2021 को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो0 नीरजा कपूर की अध्यक्षता में "Online Admission Software Training Through Real Time" विषय पर ऑनलाईन वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज़ की।

– 14 अगस्त 2021 को इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं हिन्दी विभाग द्वारा ऑनलाईन प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय के 72 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

– 15 अगस्त 2021 को बंजार तहसील द्वारा आयोजित स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य पर एन. एस.एस., एन.सी.सी. तथा रोवर्स रेंजर द्वारा परेड, समूह गान तथा लोकनृत्य में बेहतर प्रदर्शन किया गया।

– 20 अगस्त 2021 को शारीरिक शिक्षा विभाग एवं 2HP बटालियन मण्डी द्वारा आयेजित फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत 11 NCC कैडेटस ने 5 कि.मी. दौड़ में भाग लिया।

– 5 सितम्बर 2021 को प्राचार्या प्रो0 नीरज कपूर की अध्यक्षता में ऑनलाईन अध्यापक दिवस का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने विचार रखें और कविताएं प्रस्तुत की।

– 30 सितम्बर 2021 को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय परिसर में "Maintaining Physical Efficiency and Mental Balance Through Yoga in COVID Times" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें ऋषि योग आध्यात्मिक संस्थान सैंज से आए योगाचार्य भुबनेश कुमार स्त्रोत वक्ता रहे। इस वर्कशॉप में महाविद्यालय के 150 विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने भी भाग लिया।

– दिनांक 26 अक्टूबर 2021 को ''आज़ादी का अमृत महोत्सव'' पर डॉ0 रेणुका थपलियाल के कुशल नेतृत्व में "India Space Programme Journey since Indipendence" विषय पर ऑनलाईन व्याख्यान का आयेजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा इन्हे प्रमाण पत्र भी दिया गया।

– 10 नवम्बर 2021 को साईबर अपराध से बचाव हेतु साइबर जागरुकता दिवस मनाया गया जिसमे राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में कार्यरत कम्पयूटर सांईस के प्रो0 निशचल शर्मा ने विद्यार्थियों को साईबर अपराध के बचाव से सम्बन्धित जानकारी दी।

– 26 नवम्बर 2021 को राजनीति विभाग और

लोक प्रशासन विभाग द्वारा संयुक्त रुप से प्राचार्या प्रो0 नीरज कपूर की अध्यक्षता में ''संविधान दिवस'' मनाया गया। जिसमें प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयेजन किया गया। ''संविधान दिवस'' में डॉ0 दुनी चन्द राणा राजनीति विभाग ने '' संविधान के महत्व और मूल्य'' पर अपने विचार रखे।

– 7 दिसम्बर 2021 को शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा महाविद्यालय में 10 किलोमीटर क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के लगभग 50 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

– 18 दिसम्बर 2021 को शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रो0 ज्योति बाला के कुशल नेतृत्व में 'खेल मेला' का आयोजन किया गया जिसमें परिसर में विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे गए तथा विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

– 20 दिसम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों को थाची कॉलेज में कार्यरत राजनीति विज्ञान के प्रो0 दीप कुमार ने भारतीय संविधान की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

– 25 जनवरी 2022 से 15 मार्च 2022 तक भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित "National Voter Awareness Contest-My vote is my future-Powr of one Vote" के अन्तर्गत प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा वीडियो प्रतियोगिता, नारा लेखन पोस्टर डिज़ाईन में एक–एक विद्यार्थी ने भाग लिया।

– 8 मार्च 2022 को महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ0 रेणुका थपलियाल के कुशल नेतृत्व में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के डॉ0 सत्यव्रत वैद्य और डॉ0 रीमा घई ने अवसाद, विषाद्, चिन्ता, तनाव एवं अन्य स्वास्थ्य से सम्बन्धित विषयों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो0 ईशान मार्वल और अन्य प्राध्यापकों ने तथा महाविद्यालय की छात्रा उषा ठाकुर, युगेश्वरी एवं गायत्री ने भी अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर विद्यार्थियों की Blood Grouping, Hemoglobin Level की जांच तथा आंखों से सम्बन्धित स्वास्थ्य परिक्षण भी किया गया।

– 10 मार्च 2022 को श्री विकास कुमार के कुशल नेतृत्व में ''सड़क सुरक्षा'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री राम लाल ठाकुर SHO बंजार द्वारा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी विषयों की जानकारी दी गई तथा नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग तथा भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। 14 मार्च 2022 को सड़क सुरक्षा क्लब के संयोजक प्रो0 विकास कुमार के कुशल नेतृत्व में बंजार महाविद्यालय में लोगों को जागरुक कराने के उददेश्य से जागरुकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें एन.सी.सी., एन. एस.एस. तथा रोवर्स और रेंजर्स के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। यह रैली महाविद्यालय से आरम्भ होकर शेगलू बाज़ार से होते हुए न्यू बस स्टैण्ड तथा वापिस महाविद्यालय के लिए निकाली गई। इस रैली में एन.सी.सी., एन.एस. एस. तथा रोवर्स और रेंजर्स के संयोजक भी उपस्थित रहे।

– 16 और 21 मार्च 2022 को समन्वयक डॉ0 जोगिन्द्र सिंह ठाकुर के कुशल नेतृत्व में 'ईक्को ऊर्ज़ा क्लब' और विज्ञान संकाय ने संयुक्त रुप से प्राचार्या प्रो0 नीरज कपूर की अध्यक्षता में ''विज्ञान दिवस'' का आयोजन किया गया। जिसमें विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा पॉवर प्वॉईंट के माध्यम से छात्रों को उर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक करते हुए सभी विद्याार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नारा, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

हिन्दी पखवाड़ा

1 से 14 सितम्बर 2021 तक हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़े का आयेजन किया गया हिन्दी पखवाड़े के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबन्ध लेखन, काव्य पाठ, वाचन, सुलेख एवं प्रश्नोतरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

साहित्य परिषद्

21 अक्टूबर 2021 को प्रो0 नीरज कपूर की अध्यक्षता में 'साहित्य परिषद्' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाषण, कविता, पाठ, निबन्ध लेखन, पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोतरी जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय

एक अच्छी पुस्तक सर्वोतम मित्र होती है। पुस्तकालय हमें सिखाता है कि पढ़ना इसलिए आवश्यक नहीं है कि हमें किसी का विरोध करना हैं, या किसी को गलत सिद्ध करना है, बल्कि प्रत्येक बात को तोलने एवं उस पर विचार करने के लिए अध्ययन आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय के पुस्तकालय में छात्र एवं छात्राएं 6858 पुस्तकों, 4 प्रत्रिकाओं तथा 5 समाचार पत्रों का लाभ उठा रहे हैं। पुस्तकालय में पुस्तकों की डिजिटल केटेलॉगिंग कर बार कोडिंग की जा रही है और इसे ऑनलाईन जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। पुस्तकालय के अंकीकरण तथा INFLIBNET N-स्पेज सदस्यता से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है तथा पुस्तकालय में प्राध्यापकों को शोध कार्य हेतु शोध केन्द्र स्थापित किया गया है। महाविद्यलय पुस्तकालय में इस सत्र में 3,11,458 रु0 की 958 पुस्तकों की खरीददारी की गई है। डॉ0 अशोक कुमार सहायक प्रवक्ता हिन्दी पुस्तकालय का कार्यभार संभाल रहे हैं। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी पुस्तकालय का लाभ उठाते है। इस वर्ष पुरुष वर्ग में योगेन्द्र सिंह बी.ए. तृतीय वर्ष तथा महिला वर्ग में मेघा शर्मा बी.ए. प्रथम वर्ष श्रेष्ठ पाठक घोषित किए गए है।

सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। प्रो0 रजनीश कुमार के कुशल नेतृत्व में इस समय 20 कम्प्यूटर एक डिजीटल पोडियम तथा प्रोजेक्टर की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापन कार्य रूचिपूर्ण बनाने एवं नई तकनीक से जोड़ने हेतु शैक्षणिक सत्र 2021–22 में तीनों संकाय की कक्षाएं समय–समय पर इस प्रयोगशाला में लगायी जाती हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम एवं ऑनलाइन परीक्षा एवं छात्रवृति फॉर्म भरने की सुविधा प्रयोगशाला में उपलब्ध करवाई गई है।

रैड रिबन क्लब

इस क्लब के समन्वयक डॉ0 डाबे राम है। नोडल अधिकारी प्रो0 ऋृचा आहलुवालिया के नेतृत्व में चार विद्यार्थियों ने 10 नवम्बर 2021 को क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में प्रशिक्षण कार्य में भाग लिया। इसके अतिरिक्त 1 दिसम्बर 2021 को ''रेड रिबन क्लब'' द्वारा कुल्लू अस्पताल में स्वास्थ्य अधिकारी के सहयोग से ''एड्स जागरुकता दिवस'' मनाया गया। इस दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी. तथा रोवर्स एंड रेंजर्स ने संयुक्त रुप से नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रोवर्स एंड रेंजर्स

एक रोमांचकारी गतिविधि जो छात्रों को अनुशासित एवं चरित्र संवारने में सहयोग करती है। रावर्स एंड रेंजर्स दल में डॉ0 दुनी चन्द राणा तथा प्रो0 ऋृचा आहलुवालिया के कुशल नेतृत्व में 08 रोवर्स एवं 24 रेंजर्स पंजीकृत है। इस सत्र में महाविद्यालय के रोवर्स एंड रेंजर्स की उपलब्धियों एवं गतिविधियों का विवरण इस प्रकार से है:–

– 9 से 15 अगस्त तक महाविद्यालय परिसर में 7 दिवसीय स्वच्छता अभियान में रोवर्स एंड रेंजर्स, एन.सी.सी., एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों ने नारा लेखन, निबंध लेखन व पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं मे ऑनलाईन भाग लिया।

– रोवर्स एंड रेंजर्स के विद्यार्थियों ने महिला प्रकोष्ठ, सड़क सुरक्षा क्लब के अन्तर्गत करवाए गए कार्यक्रमों में भी बढ़–चढ़कर भाग लिया।

– 21 दिसंबर 2021 को हमीरपुर में आयोजित अभ्यासी कोर्स में डॉ0 दुनी चन्द राणा तथा प्रो0 ऋचा आहलुवालिया ने भाग लिया तथा प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

महाविद्यालय में एक इकाई प्रो0 मोनिका के दिशा निर्देश में कार्य कर रही है। इस का उद्देश्य छात्र वर्ग में सामुदायिक सेवा की भावना उत्पन्न कर उन के बहु–आयामी व्यक्तित्व का विकास करना है। इस वर्ष 100 छात्र–छात्राएं इस इकाई में पंजीकृत हुए। सत्र 2021–22 के दौरान इन स्वयं सेवियों की गतिविधियां इस प्रकार से हैः–

– 9 अगस्त से 15 अगस्त 2021 तक सात दिवसीय स्वच्छता अभियान।

– अक्टूबर माह में बालागाड़ गांव में प्राकृतिक जल संसाधन संरक्षण, गांव की सफाई एवं सौंदर्यीकरण, गांव तक रास्ते एवं नालियों की सफाई एवं कटी हुई झाड़ियों को जलाकर साफ किया।

– 6 अक्टूबर को सैमिनार हॉल में बंजार के डी. एस.पी चारु शर्मा ने विद्यार्थियों को सहभगिता कार्यक्रम के अन्तर्गत नशा निवारण, घरेलू हिंसा एवम् अन्य समस्याओं के प्रति जागरुक किया और स्वयंसेवियों के साथ सीधा संवाद किया।

– 30 दिसम्बर 2021 को संविधान अभियान में विशेषज्ञों द्वारा स्वयं सेवियों को जानकारी दी गई तथा इस अवसर पर नारालेखन, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

– 24 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया जिसमें बालिका के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अधिकारों के प्रति जागरुक किया तथा स्वयं सेवियों ने पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन में भाग लिया।

– 8 फरवरी से 14 फरवरी 2022 तक 7 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें प्राकृतिक जल संरक्षण, पौधारोपण, परिसर का सौन्दर्यीकरण, महाविद्यालय परिसर की सफाई के अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में पुरुष वर्ग में देवेन्द्र वर्मा तथा महिला वर्ग में कुमारी श्यामा को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी घोषित किया गया।

जीविकोपार्जन परामर्श एवं प्रस्थापन प्रकोष्ठ (Career Counseling and Placement Cell)

श्री सुरेश कुमार के कुशल नेतृत्व में सत्र 2021–22 के दौरान उत्कृष्ठ महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत जीविकोपार्जन परामर्श प्रकोष्ठ के लिए मिलि राशी द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों का वर्णन इस प्रकार हैः–

– 8–9 अक्टूबर 2021 को प्लान फॉउन्डेशन के सहयोग से दो दिवसीय कार्यक्रम प्रो0 नीरज कपूर की उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्तर के वक्ता श्री सचिन, श्री अखिलेश भारती, श्री जी.सी. रायटा और श्री मनोज शर्मा ने रोज़गार की संभावनाओं पर अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

25 दिसम्बर 2021 से 1 फरवरी 2022 तक महाविद्यालयों के 50 विद्यार्थियों ने पांवटा साहिब TPSDM में गृहव्यवस्था (house Keeping) खाद्य एवं पेय पदार्थ (Food and Beverage) आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन (hospitality and Tourism Management) से सम्बंधित एक माह का प्रशिक्षण लिया।

– 12 फरवरी 2022 को महाविद्यालय में रोज़गार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें श्री सुरैन्द्र शौरी विद्यायक बंजार विधान सभा क्षेत्र बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस रोज़गार मेले में ज्वैक्ड के निदेशक श्री अनिल शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यटन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दी। रोज़गार मेले के समापन पर मुख्य अतिथि श्री सुरैन्द्र शौरी ने पांवटा साहिब में प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

एन0सी0सी0

2020–21 में 39 कैडेट्स की ईकाई को स्वीकृति मिली। इस वर्ष 26 कैडेट्स का नामांकन हुआ है जिसमें 17 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मिलित है। एन.सी.सी. अधिकारी प्रो0 ज्योति बाला के कुशल नेतृत्व में सी.ए.टी.सी शिविर पंडोह में 8 छात्रों एवं 5 छात्राओं ने बी. सर्टिफिकेट का पेपर उतीर्ण किया तथा सभी कैडेट्स को बी. प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

खेल कूद

शारीरिक शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफैसर ज्योति बाला के कुशल दिशा निर्देशन में महाविद्यालय के छात्रों एवं छात्राओं ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न अनतर्महाविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसका विवरण इस प्रकार हैः–

– 2 दिसम्बर 2021 को पुरुष वर्ग की टीम ने महाविद्यालय कोटशेरा शिमला में वाली बाल ट्रायल प्रतियोगिता में भाग लिया।

– पुरुष वर्ग की टीम ने महाविद्यालय की ओर से क्रॉस कन्ट्री प्रतियोगिता में 10.12.2021 को महाविद्यालय बीटन (ऊना) में भाग लिया।

– संस्थान द्वारा 18 दिसम्बर 2021 को खेल मेला तथा 20 दिसम्बर 2021 को क्रीड़ा दिवस का आयोजन किया गया।

गृह परीक्षा

इस वर्ष महाविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जोगिन्द्र सिंह ठाकुर के कुशल नेतृत्व में प्रत्येक विषय में परीक्षा ली गई तथा विद्यार्थियों के द्वारा प्राप्त अंक, उपस्थिति तथा कक्षा परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

शिक्षा के साथ–साथ छात्रों की प्रतिभा प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना महाविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य रहता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय में दिनांक 01 अप्रैल 2022 को एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लोक गीत, हिन्दी गीत, शास्त्रीय गीत, लोक नृत्य, एकल नृत्य, नाटी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इंदिरा गान्धी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

महाविद्यालय में सभी वर्ग के विद्यार्थियों के विकास के लिए इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय का केन्द्र सन् 2008 में अस्तित्व में आया। डॉ0 रेणुका थपलियाल समन्वयक और सह समन्वयक डॉ0 योगराज के कुशल नेतृत्व में इस अध्ययन केन्द्र में 430 छात्र पंजीकृत है। इस समय यहां कला, वाणिज्य, पर्यटन तथा लाईब्रेरी सांईस आदि क्षत्रों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक तथा स्नातकोतर पाठ्यक्रम है।

स्वच्छता अभियान

''स्वच्छ भारत अभियान'' के उदेश्य को साकार करने एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं कार्य स्थल की स्वच्छता के महत्व को साकार करने के लिए महाविद्यालय परिसर एवं भवन में नियमित रुप से एन.सी.सी., एन.एस.एस. रोवर्स एंड रेंजर्स एवम् अन्य विद्यार्थियों द्वारा प्राध्यापकों की देख रेख में क्रमावर्तन (Rotation) में सफाई की जाती है। ■

हिंदी अनुभाग

डॉ. अशोक शर्मा
प्राध्यापक सम्पादक

बीना कुमारी
छात्र-सम्पादक

सम्पादकीय

महाविद्यालय पत्रिका ''सिराज शिखा'' के हिन्दी अनुभाग में सम्पादकीय लिखना मेरे लिए हर्ष का विषय है। एक चिन्तन करने वाला मानव अपने सुविचारों की ऊर्जा से सम्पूर्ण मानव जाति को आन्दोलित करता है तथा मानव की नकारात्मक प्रवृत्तियों को सकारात्मक में बदलने की क्षमता रखता है। हर व्यक्ति की अलग-अलग सोच होती हैं। इस चिन्तन परम्परा में गुरु का सहयोग मिलना बहुत ही जरूरी हैं। क्योंकि गुरु शिष्य की चेतना का परिष्कार करके उसमें गुणात्मक विकास करता है। सकारात्मक विचार ही एक तरंग जीवन में सफलता और आनन्द प्रदान करती है। वहीं नकारात्मक विचार आत्मविश्वास में कमी घृणा, ईष्या, द्वैष की अग्नि भड़का सकती है। सकारात्मक सोच के साथ-साथ हमें स्वयं पर आत्म-विश्वास भी होना चाहिए। आत्मविश्वास के साथ बड़े-से-बड़े कार्य भी सफल हो जाते हैं। एक छोटी-सी बात यह है कि यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास सभी क्षेत्रों में बराबर विभाजित नहीं होता। तो लोग अपने कार्य में कैसे सफल होगें? यह बात भी सोचने की है मनुष्य अपने कार्य को पूरे विश्वास के साथ करता है ओर उन जैसे मनुष्यों को कई लोग चुनौती भी देते है, तो वे खुश हो कर उसे स्वीकार कर लेते हैं। कठिन से कठिन परिस्थिति में भी उन्हें घबराहट नहीं होती। ऐसे लोगों के नाम इतिहास में दर्ज नहीं होते। अगर व्यक्ति की अपने बारे में राय अत्यंत सकारात्मक होगी तो वह आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे, यदि व्यक्ति की सकारात्मक सोच नहीं होगी तो वह व्यक्ति आत्मविवास की कमी से जूझेगा। इसलिए किसी भी व्यक्ति के आत्मविश्वास के स्तर को समझना हो तो उसके 'सेल्फ कंसेप्ट' को समझनें की कोशिश करनी चाहिए।

कामयाबी उन्हीं लोगों के कदम चूमत है,
जो अपने फैसलों से दुनियां बदल कर रख देते हैं
और नाकामयाबी उन लोगों का मुकद्दर बन कर रह जाती है
जो लोग दुनियां के डर से अपने फैंसले बदल दिया करते हैं

बीना कुमारी
छात्रा-सम्पादक

एक नया सवेरा

एक नए सवेरे ने मुझे मेरे सपने से जगाया है। आज तोड़ दूंगी इन गहरे सपनों की जंजीरों को।
क्योंकि इस नए सवेरे के साथ
जिन्दगी में कुछ करने को ख्याल आया है।
फिर एक नया सवेरा आया है,
कौन रोक सकेगा मेरे
यह बढ़ते हुए कदम,
क्योंकि सूरज की उस पहली किरण ने मुझे जगाया है। आज फिर एक नया सवेरा आया है
एक नया सवेरा एक उम्मीद की किरण
लेकर आया है। न जाने क्यों इस
उम्मीद के साथ जिन्दगी में आगे बढ़ने
का ख्याल आया है। आज फिर एक नया सवेरा आया है।
इस उम्मीद की किरण के साथ जल जाऊंगी
लेकिन अपने कदम आगे ही आगे बढ़ाऊंगी।
ले आऊंगी रोशनी उस अंधेरे कोने में
जहां मैंने हताश खुद को पाया है।
क्योंकि आज फिर एक नया सवेरा आया है
न जाने क्यों आज मेरा दिल खुशी से
मुस्कुराया है। क्योंकि आज फिर एक
नया सवेरा आया है। उस पहली किरण
ने रास्ता मुझे दिखाया है
कुछ कने का ख्याल आज फिर मन में आया है।
खुशी-खुशी मैंने अपना कदम आगे बढ़ाया है।

बीना कुमारी, कला-स्नातक-तृतीय वर्ष

सत्य वचन

1 सत्य को कह देना मेरे मज़ाक का तरीका है।
संसार में यह सबसे से विचित्र मज़ाक है। - **बनार्ड शॉ**
2 सत्य का सर्वश्रेष्ठ अभिनंदन यह है कि हम इसे आचरण में लाए।
-एमर्सन
3 जब तक जीवित रहो सत्य बोलो और शैतान को लज्जित करो।
- शेक्सपीयर
4 सत्य को पाना कठिन है **-हज़ारी प्रसाद द्विवेदी**
5 समय मूल्यवान है पर सत्य समय की अपेक्षा अधिक मूल्यवान है।
- डिजरायली
6 पूर्ण सत्य की प्राप्ति के लिए आप को संसारिक इच्छाओं से छुटकारा पाना होगा। **- स्वामी रामतीर्य**

प्रस्तुति- होमदत्त
स्नातक तृतीय वर्ष

जिस -दिन सोया राष्ट्र जगेगा

जिस दिन सोया राष्ट्र जगेगा,
दिस-दिस फैला तमस हटेगा,भारत विश्व बंधु का गायक
भारत मानवता का नायक,
सदियों से था युगों रहेगा
जहां-जहां फैला तमस हटेगा।
जिस दिन सोया राष्ट्र जगेगा,
जहां-जहां फैला तमस हटेगा।
वैभवशाली जब हम होगें
नहीं किसी से हम कम होंगे
क्यों ना फिर गंतव्य मिलेगा।
जहां-जहां फैला तम हटेगा।
जिस दिन सोया राष्ट्र जगेगा,
जहां-जहां फैला अंधकार हटेगा।
हम सबकी तो राह एक है
कोटि हृदय और भाव एक है,
बात हमारी विश्व, सुनेगा,
जहां-जहां फैला अंधकार हटेगा।
जिस दिन सोया राष्ट्र जगेगा।
जहां-जहां फैला अंधकार हटेगा।

बीना कुमारी
बी.ए तृतीय वर्ष।

महाविद्यालय बंजार

राजकीय महाविद्यालय बंजार की है बात निराली,
बच्चों के चेहरों पर रहे सदा खुशहारली।।
टीकम राम सर इतिहास पढ़ाते
प्रगति की राह पर चलना सिखातें
विकास सर है संगीत सिखाते,
संगीत के विषय में हमें बताते।
अशोक सर है हिन्दी पढ़ाते,
बच्चों को सुदृढ़ व कौशल बनाते।
ऋचा मैम है इंग्लिश पढ़ाती,
स्वास्थ्य के बारे में बताती।
ढेर सारा ज्ञान हमें मिलता है अध्यापकों से,
सांईस, आर्ट, कॉमर्स के सभी हैं एक समान।
सबका करते हैं हम बड़ा आदर व सम्मान,
सभी अध्यापक हैं धन्यवाद के हकदार,
सबको करते है प्रमाण बार-बार।

- मेघा शर्मा
बी० ए० प्रथम वर्ष

दुनिया भर की भाषाओं में 'नव वर्ष की बधाईयां'

भारत भाषाओं में नव वर्ष की बधाईयां!

1. हिन्दी में – 'नव वर्ष मंगलमय हो', 'नूतन वर्ष शुभ हो'
2. संस्कृत में – 'शुभं नववषर्म्', 'नववर्ष मंगलमय अस्तु', 'नूतन वर्षम् सुखंदम भव:'
3. पंजाबी में – 'नवें साले दियां लख-लख बधाईयां', 'नवें साल दिया मुबारकां,
4. बंगाली में – 'शुबो नाबोवोर्शो'
5. सिंधी में – 'नायूञो साल मुबारक हौजे'
6. उड़िसा में – 'नववर्ष शुभेच्छा'
7. गुजराती में – 'नूतन वर्ष अभिनन्दन'
8. तमिल में – 'पुथादूं वलत्रूक्कल'
9. तेलगु में – 'नूतन सम्वत्सर शुभकाशालू'
10. उर्दू में – 'नया साल मुबारक'
11. कन्नड़ में – 'होसा वर्षदा शुभ साया'
12. मराठी में – 'नवीन वर्पच्या शुभेच्छा'
13. राजस्थानी में – 'नवें साल री बधाईयां'

– ट्वींकल ठाकुर, बी कॉम, द्वितीय वर्ष

सोइ सेवक जो सदगुरू सेवे

एक बार कुछ रागियों (भाटों) ने सिक्ख गुरू साहिब अर्जुनदेव से प्रार्थना की कि उन्हें कुछ रूपयों की आवश्यकता है अत: यदि उन्हें प्रति सिक्ख के हिसाब से चन्दा मिलें तो मेहरबानी होगी गुरूदेव ने आश्वासन दिया कि वे कुछ दिनों बाद देंगें। यह सुन वे लोग खुश हो गए कि ज्यादा संख्या में उनके पास जाने पर खासी रकम जमा हो जाएगी। कुछ दिनों वे अर्जुनदेव के पास गये और उन्होंने चन्दा देने की याद दिलायी गुरूदेव ने उन्हें पुन: बाद में आने को कहा कुछ दिनों के बाद जाने पर गुरूदेव ने उनके हाथ में साढे चार टके पर दिए यह देख भाट 'बोले क्या इतना ही चन्दा' 'हां' अर्जूनदेव ने उत्तर दिया बात यह है कि तुमने सिक्खों-जितना चन्दा देने की प्रार्थना की थी और मैंने उतने ही टके दिये है जितनी सिक्खों की संख्या है। यह सुन भाट असमंजस में पड़ गये तब गुरू साहिब ने कहा, ''पहले सिक्ख गुरू नानक साहिब है दूसरे अंगदेव तीसरे अमरदास जी और चौथे रामदास जी। लोग मुझे भी सिक्ख समझते हैं। लेकिन मैं पूरा सिक्ख नहीं आधा हूं। इस कारण तुम्हें सिक्खों – जितने अर्थात् साढे चार टके दिये हैं।'' उन्होंने आगे कहा, '' तुम समझते हो कि सिक्ख असंख्य है यह तुम्हारी भूल है। वास्तव में सिक्ख होना उतना आसान नहीं वह तो तलवार की धार की तरह है। मनुष्य तो जीते जी मरता है लेकिन सिक्ख नहीं। वही मनुष्य सिक्ख है जो सद्मुरू का शिष्य बनकर उसके उपदेशों को ग्रहण करता है और तदनुसार अपना आचारण रखता है सच्चा शिष्य वही है जो अपने सद्गुरू की नि:स्वार्थ भाव से पूर्ण निष्ठा के साथ सेवा करें और परमात्मा से नहीं मिल पाता, तो वह सद्गुरू का सच्चा शिष्य नहीं और न ही सिक्ख कहलाने के योग्य है।''

रश्मी कुमारी, बी०ए. प्रथम वर्ष

जलोरी दर्रा का इतिहास

यह उत्तरी हिमालय की चोटियों में स्थित जलोरी पर्वत दर्रा कुल्लू और शिमला के प्रमुख शहरों के बीच स्थित एक अनोखा सौंदर्य हैं। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 10,800 फीट है। इस दर्रे से होकर जाने वाला मार्ग पर्यटकों के आकर्षण के रुप में अपेक्षाकृत अछूता है। जलोड़ी पास से गुजरने वाले सड़क एक ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व रखती हैं। इसका निर्माण अंग्रेजों ने कुल्लू घाट तक पहुंचने के लिए किया था। यह 1920 के दशक के अंत में तैनात एक ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ की बेटी पेनेलोप चेतवोडे के उल्लेख का अध्ययन करता है। इसके अलावा यह माना जाता हैं कि पांडव अपने निवसिन के दौरान इस जगह का दौरा किया था। आस-पास के क्षेत्र में कई छोटी वस्तियां और गांव है। जिनमें से प्रत्येक की अपनी अलग-अलग संस्कृति पाई जाती है।

जलोरी दर्रा के माध्यम से एक अभियान को प्राकृतिक प्रसन्नता, पूजा स्थालों और अन्य शांत पर्यटन स्थलों के साथ लाया जा सकता है। धौलाधार पर्वत श्रृंखला स्पष्ट गर्मियों के दिनों में दिखाई देती है।

दर्रे को सुरमय परिदृश्य के अलावा ट्रैक आपको महाकाली मंदिर के पिछले हिस्से में ले जाता है। जिसे जलोरी माता का मंदिर कहा जाता है। यह आस-पास के गांवों में लोगों के लिए एक लोकप्रिय पूजा स्थल हैं। जलोरी दर्रा के पहाड़ों में वॉलीबुड के एक फिल्म 'ये जवानी है दिवानी' की शूटिंग की गई थी। जहां अभिनेता रणवीर कपूर और अभिनेत्री दीपिका पादुोण को पर्वतारोहन के माध्यम से ट्रैकिंग करते देखा जाता है। जलोरी दर्रा से 5 किलोमीटर दूर तक 'बूढ़ी नागिन' माता का मंदिर भी है। यह एक महत्वपूर्ण स्थान है। कहावत है कि मंदिर के साथ एक झील है। उस झील में सांपों की माता, 'बूढ़ी नागिन' रहती है। उसके आसपास के क्षेत्र में दो पक्षियों को साथी के रूप में कहा जात है। जो संयुक्त रूप से झील की रक्षा करते है।

– देवेन्द्र वर्मा, बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रेम

1 प्रेम संसार को रूद्ध का देता है और वाणी को असमर्थ – **शेक्सपीयर**

2 प्रेम के यज्ञ में स्वार्थ और कामना का हवन करना होगा

– जयशंकर प्रसाद

3 मनुष्य प्रेम तो जल्दबाज़ी में करता है पर घृणा फुर्सत में – **बायरन**

4 जगत में जो कुछ उन्नति हुई है, वह प्रेम की शक्ति से हुई है। दोष बताकर कभी अच्छा काम नहीं किया जा सकता – **विवेकानंद**

5. प्रेम ही मानव जीवन का सार है – **सुमित्रानंदन पंत**

– गौरव ठाकुर
स्नातक तृतीय वर्ष

जमलू देवता जी

पुराने समय की बात है कि जमदग्नि जी के तीन भाई थे। जब बड़े हुए तो उनके पिता जी ने उन्हें उनकी शक्तियां तीन भाईयों में बराबर बांटने की बात कही तो ये सोचकर जमदग्नि जी महाराज ने सोचा कि मेरे पास कम शक्ति होगी। जिससे मैं कम शक्तिशाली बनूंगा और मन नहीं मन सोच लिया की कहीं दूसरी जगह जाना होगा। जमदग्नि जी वहां से भाग निकले और सात पहाड़ों से पीछे मलाणा नामक स्थान पर आकर बसे। वहां उन्हें एक बूढा आदमी मिला। वह आदमी वहां धूप लाने के लिए आया था। जब वह धूप लेकर जा रहा था तो घर जाते समय 5 फुट बर्फ आ गई। बूढा आदमी हैरान हो गया और सोचने लग। में घर कैसे जाऊँगा उतने में एक बाबा दिखाई दिए जो जमदग्नि जी के रूप में आया था। उसने उस बाबा से कहा आप इस घनघोर पहाड़ के ऊपर क्या कर रहे?

जमदग्नि जी बाबा के रूप में बोले मुझे भूख लगी है। मुझे कुछ खाने को दो। बूढ़ा आदमी ने कहा मेरे पास खाने के लिए कुछ नहीं है परंतु गेंहूं हैं, हम इसे पीसकर आपको खिला सकते है। बूढ़े आदमी ने दो पत्थरों पर गेंहू पिसा और रोटी बनाई जैसे ही रोटी आग से बाहर निकाल रहे तो उसका आकार बहुत बड़ा हो गया वह हैरान हुए। उतने में जमदग्नि रूप में आए और कहने लगे मैं देवता हूं। और कहने लगे हम दोनों यही रहेंगे। किन्तु मेरी बोली अलग किस्म की है। उसे आपको सीखना होगा बाकी कमी मैं पूरी कर दूंगा। बूढ़ा आदमी वहां रहने को सहमत हो गए और दोनों वहां निवास करने लगे। अत: इस स्थान का नाम 'मलाण' इसलिए पड़ा क्योंकि यहां पर दो आदमी का मिलन हुआ है। यहां की संस्कृति भिन्न है। वहां का संविधान हमारे संविधान से अलग है वहां पर छोटे से लेकर बड़े कार्य की समस्या को देवता जमलू जी महाराज ही समाधान कर देते है।

दिव्या, बीए तृतीय वर्ष

फौजी

वतन के लिए जंग में जाते वक्त एक जवान के मन के भाव अपने परिवार के लिए एक कविता।

चल पड़ा हूं लड़ने देश के लिए मैं जंग,
माँ, होगी दिल में तू हर पल मेरे संग,
जब खून की होली सरहद पर खेली जाएगी,
पापा, तब आपकी प्यार वाली डांट याद आएगी,
भूलकर सब जंग के लिए मैं तैयार हो जाऊंगा,
बहन, पर तेरे से किया हर वादा मैं निभाऊँगा,
पता नहीं मुझको कि क्या लिखा है जिंदगी में कल
प्रिय, रहोगी दिल में मेरे तुम हर पल,
चली जाए अगर वहां वतन के लिए मेरी जान,
बच्चों, बनाए रखना तुम सदैव घर का मान,
भारत माँ के पुत्र होने का फर्ज बखूबी निभाऊँगा,
चलकर न सही तो तिरंगे में लिपटकर वापस जरूर आऊँगा।

कविता ठाकुर, बीए प्रथम वर्ष

लाभा काम्पो (ममी)

बहुत समय पहले की बात है। एक बार एक तिब्बती संत सांगला तेनजिंग स्पीति के गियू गांव मे आया था। उन्होंने देखा कि गियू गाँव में बिच्छुओं का प्रकोप था। तब लामा तेनजिंग ने उस गाँव को बिच्छुओं से बचाने के लिए वह तपस्या में बैठ गए और उन्होंने लोगों से कहा कि उनके शरीर के ऊपर ही एक स्तूप बनाओ। तब लोगों ने उनके कहे अनुसार लामा तेनजिंग के ऊपर ही एक सतूप बना देते है। फिर कुछ दिनों बाद जैसे ही लामा तेनजिंग अपना प्राण त्याग देता है वेसे ही गांव में इन्द्रधनुष निकलता है। उस समय उनकी आयु मात्र 45 वर्ष थी। फिर गियू गांव बिच्छुओं के प्रकोप से मुक्त हो गया। तब लोग खुश्यां मनाने लगे सारे खुश थे, पूरा गांव उनको भगवान के रूप में पूजते थे। फिर सन् 1974 में यहां आए भूकंप से स्तूप ज़मीन में दफन हो गया। फिर गांव वालों ने ढूंढने की बहुत कोशिश की पर गांव वालों को लामा तेनजिंग का शरीर या वह स्तूप कहीं नहीं मिला।

फिर सन् 1995 में आई0टी0बी0पी वाले जब सड़क बना रहे थे तब खुदाई के समय उन्हें सांगला में तेनजिंग की ममी पुन: मिल गई थी। इस ममी के सिर पर कुदाल से खून निकला था। जिससे लोगों का मानना था कि यह अभी भी जीवित है वह अपनी तपस्या में लीन है। सन् 2009 में इसे गांव वालों ने गांव में एक गोम्पा बनाकर वहां स्थापित किया। लोगों का कहना है कि यह ममी 550 वर्ष पुरानी है। जबसे इस ममी की गियू गांव में स्थापित किया तबसे गांव में सब कुछ अच्छा होने लगा था। लोगों का कहना है कि पहले गियू गांव में बाढ़ के आने से बहुत नुकसान होता था। जबसे ममी को गांव में स्थापित किया था तब से बाढ़ भी बहुत कम आती है। कृषि में भी अधिक विकास हुआ है। लोगों का कहना है कि इस ममी के बाल और नाखून आज भी बढ़ रहे है। दुनिया में यह एकमात्र ममी है जो बैठी अवस्था में है। गियू गांव वाले इसे जिंदा भगवान मानते है। लोग ईश्वर समझकर इसकी पूजा करते है। यहां के लोग पूरी श्रद्धा से इस ममी की पूजा करते है।

- मेघा शर्मा, बीए प्रथम वर्ष

शायरी

1 रख हौसला वो मंजर भी आएगा
प्यासे के पास चल कर समंदर भी आएगा।
थक कर ना बैठ ए मंजिल के मुसाफिर
मंजिल भी मिलेगी और मिलने का मजा भी आएगा।।
2 कहीं अंधेरा तो कहीं शाम होगी
मेरी हर खुशी तेरे नाम होगी।
कभी मांग कर तो देख हमसे ऐ दोस्त
होठों पर हंसी और हथेली पर जान होगी।।
3 नज़र तो मिला आवाज़ तो दे
मैं कितनी बार लुटाऊँ जिंदगी`हिसाब तो दे।।
4 टूट गया दिल अब सवाल क्या करें
खूद ही किया था पसंद तो बवाल क्या करें।।

- खेम राज, बीए प्रथम वर्ष

भारत के बारे में रोचक तथ्य

- भारत के बारे में रोज़ाना आप कुछ न कुछ नया ज़रूर पढ़ते होंगे। क्या आपको पता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है और सांतवा सबसे बड़ा देश है।

- इंडिया नाम की उत्पत्ति इंडयूस नामक नदी से हुई है। जो कि इडंयूस वैली की घाटियों में बहती थी।

- भारत की सेना अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर में आती है। भारत के पास विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सेना है।

- भारत देश दुनिया में सबसे बड़े आकार वाले देशों की लिस्ट में सातवें नंबर में आता है।

- भारत के कुंभ मेले का जमाबड़ा इतना बड़ा होता है कि इसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है।

- हिंदी के बाद सबसे ज्यादा यहां अंग्रेजी बोली जाती है। भारत दुनिया का 24वां ऐसा देश है जहां अंग्रेजी सबसे ज़्यादा बोली जाती है।

- भारत का पहला रॉकेट साइकिल पर और उपग्रह को बैलगाड़ी पर लाया गया था।

- भारत के केरल में दुनिया की सबसे बड़ी डाक व्यवस्था है।

- भारत देश की पवित्र नगरी वाराणसी दुनिया की सबसे पुरानी नगरी है।

- शतरंज खेल की खोज भारत में ही हुई थी।?

- दुनिया का सातवां अजूबा भी भारत में है जिसे ताजमहल कहा जाता है। आगरा के ताजमहल को मुगल शासक ने अपनी बेगम मुमताज की याद में बनवाया था।

- भारत ने दुनिया तक योग पहुंचाया है, योग 5000 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है।

- दुनिया का सबसे बड़ा रोड़ नेटवर्क भारतके पास है जो तकरीबन 1.9 मिलियन मील को एक साथ-साथ आपस में जोड़ते हैं।

- भारत का मेघालय राज्य दुनिया का सबसे ज्यादा बारिश वाला राज्य है।

- भारत का स्थान सुपर कंप्यूटर बनाने में तीसरे नंबर में है।

- सन् 1986 तक भारत अकेला ऐसा देश माना जाता है जहां अधिकाधिक रूप से हीरा पाया जाता है।

- भारत देश दुनिया में फिल्मों का सबसे बड़ा उत्पादक है।

- भारत में ही दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम है। ये क्रिकेट स्टेडियम हिमाचल प्रदेश में है जो कि समुद्र तट से 24 हज़ार मीटर ऊपर बना है।

- संजना, बीए प्रथम वर्ष

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले

भारत की प्रथम शिक्षिका, प्रथम कन्या विद्यालय की प्रधानाध्याकिा, प्रथम किसान विद्यालय की संस्थापिका, समाज सुधारिका, मराठी कवयित्री तथा विशेषकर नारी शोषण पर विद्रोह का स्वर प्रकट करने वाली क्रांतिकारी नारी सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले थी। हम सब इस बात से भली-भांति परिचित है कि उस समाज में जहां प्रारम्भ से ज्ञान की देवी के रूप में माँ सरस्वती की आराधना की जाती है, उसी समाज में कभी महिलाओं को शिक्षा का हक भी प्राप्त नहीं था। शिक्षा तो दूर की बात है, महिलाओं को तो कोई भी अधिकार प्राप्त नहीं थे। उस समय पुरूष प्रधान, समाज में बाल-विवाह, सत्ती प्रथा व नारी शोषण अत्यधिक था। ऐस में एकमात्र फुले दम्पति ने अकेले ही संघर्ष आरम्भ किया और परिणामस्वरूप 1 जनवरी 1848 में उन्होंने प्रथम कन्या विद्यालय की स्थापना की और देखते ही देखते 1 वर्ष के भीतर इन्होंने 5 और विद्यालयों की स्थापना करके इन्होंने अपने दत्तक पुत्र यशवंतराव का पंजकृत पद्धति अपनाते हुए आधुनिक भारत का प्रथम अंतर्जातीय विवाह 4 फरवरी 1889 को सम्पन्न करवाया। जब काम विशेष था तो जाहिर है कि परेशानियां का सामना भी किया।

सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं को पति की मृत्यु के पश्चात् बाल मुंडवाने जैसे आडंबरों का घोर विरोध करते हुए 'नारी आंदोलन' भी शुरू किया था तथा विधवा पुनर्विवाह पर जोर दिया।

सावित्रीबाई फुले को भारत की प्रथम नास्तिक महिला भी माना जाता है। ऐसा इसलिए माना जाता है क्योंकि इनसे पहले किसी भी महिला कर्मकांडो का इतना घोर विरोध नहीं किया था। सावित्रीबाई ने 19वीं सदी में महिला शिक्षा के शुरूआत के रूप में घोर ब्राह्मणवाद के वर्चस्व को चुनौती देने का काम किया।

सावित्रीबाई फुले जी ने अपना समस्त जीवन गरीबों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए न्यौछावर कर दिया। उनके लिए एक युग को परविर्तित करना और शिक्षित करना कितना कठिन रहा होगा इसकी कल्पना भी करना हमारे लिए असंभव है परंतु फिर भी उन्होंने अपने प्रयासों को कमजोर नहीं होने दिया। हम लोगों में से बहुत कम लोग ही यह जानते हैं कि जिस पीटीएम (पेरेंट टीचर मीटिंग) को आज के अखबारों में राजनीतिक मुद्दा बनाया गया है उसकी शुरुआत भी सावित्रीबाई फुले ने ही की थी। आज वर्तमान भारत की चरमराती शिक्षा प्रणाली को फिर से आज एक बार सहारे की आवश्यकता है, तो आइए हम सब मिलकर सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले जी को नमन करते हुए उनके सपनों को साकार करते हैं और भारत को एक नई दिशा की ओर अग्रसर करते है।

ईनु राई, बीए प्रथम वर्ष

विश्वेश्वर मंदिर का इतिहास

कुल्लू घाटी में प्राचीन वास्तुकला एवं शिल्प की दृष्टि से बजौरा का विश्वेश्वर मंदिर देखने योग्य है। शिखर शैली का यह एक सजीव उदाहरण है। कुल्लू क्षेत्र का यह स्थल प्राचीन गौरव केंद्र भी माना जाता है। मंदिर के गर्भ गृह में बना प्राचीन शिवलिंग आज भी विद्यमान है जो कि मंदिर की प्राचीनता का साक्षी है। इसे सातवीं व आठवीं सदी में बना माना जाता है। लेकिन सोलहवीं व सत्रहवीं सदी में इसका जीर्णोद्धार हुआ। मंदिर में टांकरी भाषा के अभिलेख इसके प्रमाणिक दस्तावेज है। मंदिर में गणेश भगवान विष्णु और दुर्गा माता की प्रतिमाएं आज भी अवलोकनीय है। ये सभी मूर्तिकला की दृष्टि से उच्च कोटि की है। दरवाजे के दोनों ओर तराशी गई गंगा और यमुना की मूर्तियां अति सुंदर है। यहां की एक प्रतिमा जो सूर्य भगवान की है आज शिमला के राज्य संग्रहालय में रखी गई है। बजौरा कालातंर में एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी रहा है। 1820 के दौरान दुलचा दर्रा के मार्ग से होते हुए मुरक्राप्ट ने इस मंदर का उल्लेख किया था। कुल्लू घाटी में घूमने जाने वाले लोग इस मंदिर में जरूर जाते है। पुरातात्विक दृष्टि से इस मंदिर का आज भी विशेष महत्व है। इसलिए आज यह मंदिर पुरातात्विक विभाग के संरक्षण में है। कालांतर में एक मुख्या शैव केंद्र होने के कारण आज भी यहां अन्य कई मंदिरों के अवशेष मिलते है। इससे यह सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इस मंदिर के साथ भी कई मंदिर थे जो समय के साथ नष्ट हो गए। यह मंदिर कुल्लू से 15 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 1097 मीटर की ऊंचाई पर बसा है।

- युगमलता, बीए तृतीय वर्ष

त्रिलोकनाथ की कहानी

यह कहानी त्रिलोकनाथ मंदिर की स्थापना की है। त्रिलोकनाथ में एक चरवाहा जिसका नाम टिन्डलू था। वह गांव के गाय भेड़ चराने सातधारा नामक जंगल में जाता था। उस जंगल में सात बहने रहती थी जो कि देवी थी। वह सारा गाय का दूध पीती थी जब वह शाम को वापिस आता तो गाय दूध नहीं देती थी, गांव वालों को शक हुआ कि चरवाह दूध चुराता है। उन्होंने सभा बुलाई और चरवाहा पर आरोप लगाया। चरवाहा ने कहा यह मेरी रोजी रोटी है। मैं ऐसा नहीं कर सकता। फिर अगले दिन चरवाहा गाया पर नज़र रखने लगा। जो सात बहनें थी उनमें से सबसे छोटी बहन गाय का दूध पी रही थी, चरवाहे ने उसे पकड़ लिया और कहा तुम्हें मेरे साथ गांवआना होगा और सारी सच्चाई बतानी होगी। देवी ने कहा मैं तुम्हारे साथ नहीं आ सकती। इसके बदले में तुम मुझसे कोई भी वर मागों, चरवाहा न माना और देवी को गांव चलने को कहता है। देवी कहती है कि मैं एक शर्त पर आऊँगी। मैं तुम्हारे पीछे-पीछे चलूंगी और तुम मेरे आगे चलना। अगर तुमने पीछे देखा तो हम दोनों पत्थर की मूर्ति बन जाएंगे। दोनों चल पड़े। रास्ते में चरवाहा को भेड़ की आवाज़ आती है। वह पीछे मुड़ता है और दोनों पत्थर की मूर्ति बन जाते है। वर्तमान समय में दोनों मूर्ति त्रिलोकनाथ मंदिर में स्थापित है।

- डिम्पल कुमारी, बीए तृतीय वर्ष

देश के जांबाज़ योद्धा CDS जनरल रावत के बारे में कुछ खास बातें

- CDS नियुक्त होने के पहले जनरल विपिन रावत, सेना प्रमुख के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं, वे सेना प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे, इसके बाद उन्हें CDS नियुक्त किया गया था। जनरल रावत की पहचान ऐसे अफसर थे जिस देश की ओर से जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने पूरी शिद्दत और कुशलता से उसे निभाया।

- CDS बनाए जाने से पहले विपिन रावत ने 27वें थल सेनाध्यक्ष के तौर पर सेवाएं दी थीं। आर्मी चीफ बनाए जाने से पहले उन्हें 1 सितंबर 2016 को भारतीय सेना का उपसेना प्रमुख नियुक्त किया गया था।

- जनरल विपिन रावत को पूर्वोत्तर भारत में आंतकवाद कम करने में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। वर्ष 2015 में म्यांमार में जो क्रास बॉर्डर ऑपरेशन आयोजित किया गया था, वह उनकी ही देखरेख में संचालित हुआ था। इस ऑपरेशन में सेना ने NSCIV-Kd आंतकियों का करारा जबाव दिया था।

- जनरल रावत, वर्ष 2016 की उस सर्जिकल स्ट्राइक की योजना का भी हिस्सा थे, जिसमें भारतीय सेना, स्ब्ब के पार POK तक चली गई थी और पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविर पर एयर स्ट्राइक की थी।

- जनरल विपिन रावत, सेंट एडवर्ड स्कूल, शिमला और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के पूर्व छात्र थे। उन्हें दिसंबर 1978 में भारतीय सै-य अकादमी, देहरादून से ग्यारह गोरखा राइफल्स की पांचवी बटालियन में नियुक्त किया गया था,जहां उन्हें 'स्वार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया था।

- उनके पास आंतकवाद अभियानों में काम करने का 10 वर्षों का अनुभव था, जनरल रावत को उच्च ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्र और आंतकवाद रोधी अभियानों में कमान संभालने का अनुभव था।

- विपिन रावत ने पूर्वी क्षेत्र में एक इन्फैट्री बटालियन की कमान संभाली। एक राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर और कश्मीर घाटी में एक इन्फैट्री डिवीजन को भी कमान उन्होंने संभाली थी।

- रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र, जनरल विपिन रावत ने सेना में रहते हुए करीब चार दशक तक देश की सेवा की। इस दौरान उन्हें वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए युआईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम के साथ सम्मानित किया गया।

जनरल रावत ने मैनेजमेंट और कंप्यूटर स्टडीज में डिप्लोमा हासिल किया था। जनरल विपिन रावत ने सैन्य मीडिया रणनीतिक अध्ययन पर अपना शोध पूरा किया था और 2021 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से डॉक्टरेट ऑफ फिलोसफी से उन्हें सम्मानित किया गया था।

- संजना, बीए प्रथम वर्ष

सच्चा देशभक्त

सन् 1761 में अहमदशाह दुर्रानी ने अफगानी सेना लेकर दिल्ली पर आक्रमण किया। तब शत्रु से लोहा लेने के लिए मराठा सेना आगे बढ़ी जिसका प्रधान सेनापति था।-सदाशिव भाऊ पेशवा। दोनों सेनाएं पानीपत के प्रसिद्ध मैदान में आमने सामने आ डटी। दुर्रानी रूक गया और अनुकूल अवसर की प्रतीभा करने लगा।

एक दिन दुर्रानी को एक ऊंचे टीले से यह दिखाई दिया कि भारतीय सेना के पड़ाव के चारों और धुंआ छाया हुआ है। उसने इस बाबत जब अपने साथियों से प्रश्न किया, तो एक ने जबाव दिया, 'हिन्दु लोगों का एक साथ भोजन नहीं बनता, क्योंकि वे दूसरों के हाथ का बनाया खाना नहीं खाते, इसीलिए सब सिपाही कपड़े उतारकर अपना खाना पका रहे है। दुर्रानी बोला,''बस, यही अच्छा मौका है, धावा बोल दो। सेनापति की आज्ञा मिलते ही अफगानी सेना मराठों पर टूट पड़ी, जिससे चारों ओर खलवली मच गयी। यद्यपि मराठों ने मुकाबला किया किन्तु अन्त में वे पराजित हुए। अफगानों ने हज़ारों भारतीय सैनिकों को बंदी बनाकर उन्हें निर्दयतापूर्वक मारना आरम्भ किया।

उन बन्दियों में इब्राहिम खाँ मराठी नामक एक मुसलमान सरदा भी था। उसे भी पड़ते ही यदि हमारी सेना में भर्ती होकर हिन्दुस्तान को लूटने में सहायता करोगे, तो मैं तुम्हें मुक्त कर दूंगा इस पर स्वाभिमानी एवं देशभक्त गारडी ने जबाव दिया। मैं मुसलमान अवश्य हूं, किन्तु हिन्दुस्तान के अत्रजल से पला हूं। मैंअपनी मातृभूमि और वहां के निवासियों के साथ कद्दापि विश्वासघात नहीं करूंगा। भले ही मुझे हिन्दुस्तान की रक्षा के लिए हजार बार क्यों ने मरना पड़े, मैं उसके लिए तैयार हूं। आप यह निश्चित ज्ञान ले कि हिन्दुस्तान मुझे अपने प्राणों से भी प्यारा है''।

यह स्पष्टोक्ति सुन निर्दयी अहमदशाह ने गारडी के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर डाले, और वह देशभक्त हंसते-हंसते अपने देश के लिए शहीद हो गया।

फना होने की इज़ाजत ली नहीं जाती
ये वतन की मोहब्बत है जनबा
ये पूछ के की नहीं जाती
अगर माटी के पूतले देह में ईमान
जिन्दा है तभी इस देश की समृद्धि का
अरमान जिन्दा है, ना भागव से है उम्मीदें
ना वादो पर भरोसा है शहीदों की
बदौलत मेरा हिन्दुस्ता जिन्दा है।
जो अब तक ना खौला वो खून नहीं पानी है
जो देश के काम न आये वो बेकार जवानी है।

- हिमानी चौहान, बीए प्रथम वर्ष

जीविका प्रशिक्षण एक अनुभव

बर्फ से आच्छादित प्राकृतिक सौंदर्य से सुसज्जित श्रृंगाऋषि की पावन धरा में अवस्थित राजकीय महाविद्यालय बंजार में बी कॉम अंतिम वर्ष की छात्रा हूं। मुझे दिसम्बर महीने में जीविकोपार्जन परामर्श के संयोजक प्रो सुरेश कुमार जी के द्वारा ज्ञात हुआ कि महाविद्यालय से 50 छात्र-छात्राएं पर्यटन उद्योग से सम्बधित जीविका प्रशिक्षण के लिए सिरमौर ज़िले के पांवटा साहिब में जाना सुनिश्चित हुआ है जिसमें सभी को आतिथ्य और पर्यटक प्रबधन खाद्य एवं पेय पदार्थ, व्यवस्था आदि से सम्बधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। तत्पश्चात् हम 24 दिसम्बर 2021 को बंजार से पांवटा साहिब के लिए रवाना हुए तथा रात्रि एक बजे गंतव्य पर पहुंचे। वहां पर टीपीएसडीएम के सहयोग से सभी छात्र-छात्राओं को ठहरने की व्यवस्था पहले से ही कर रखी थी। अगले दिन टीपीएसडीएम के सहयोग से सभी छात्र-छात्राओं को ठहरने की व्यवस्था पहले से ही कर रखी थी। अगले दिन टीपीएसडीएम के निदेशक श्री अनिल शर्मा और प्रबंधक कपिल शम्र ने सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम की दैनिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान मुझे लड़कियों के समूह और देवेन्द्र वर्मा को लड़कों के समूह का प्रमुख बनाया गया। वहां पर प्रशिक्षण के लिए छात्र-छात्राएं अलग-अलग समूह में अलग होटल मे जाते थे, जिसमें होटल ग्रेड, रिवीरिया, सिल्वर ओक, पाल रिजार्ट, पाल हवेली, एम जी पब में व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षण लिया। इस के अतिरिक्त जेम चसंदज ळतवनच में प्रो0 सुमित कौर पर्यटन प्रबंधन के बारे में हमें जेमवतल करवाई जाती थी। किसी भी होटल में ग्राहक की सब से पहली मुलाकात ऑफिस रिसेप्शनिस्ट से ही होती है, इसलिए मुझे भी होटल में अतिथियों के आगम(बेमबा पद) तथा होटल से प्रस्थान (बेमबा वनज) के साथ विदेशी पर्यटकों के लिए सी फार्म भर कर पुलिस के पास जमा करने सम्बधित दस दिन का प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

इस प्रकार उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना के अन्तर्गत जीविकोपार्जन परामर्श प्रकोष्ठ के लिए मिली राशि से 25 दिसम्बर 2021 से 1 फरवरी 2022 तक कॉलेज के जिन 50 छात्र-छात्राओं ने टीपीएसडीएम के सहयोग से आतिथ्य, पर्यटन प्रबंधन, अतिथियों के साथ आचरण, आदि से सम्बधित प्रशिक्षण प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिस से निकट भविष्य में जीविका मिलने की संभावना है। मैं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो नीरज कपूर एवं संजयोजक प्रो0 सुरेश कुमार, टीपीएसडीएम के श्री अनिल शर्मा और श्री कपिल शर्मा का धन्यवादी हूं जिन्होंने हमें यह सुअवसर प्रदान किया।

धन्यवाद।

- श्यामा देवी दुग्गल, बी कॉम तृतीय वर्ष

चरित्र निमार्ण

ब्रिटिश उपनिवेशवाद के खूंखार पंजे से अपने राष्ट्र को मुक्त करने के बाद अमेकिा के भूतपर्वू राष्ट्रपति वाशिंगटन ने जब अपनी सेना को भंग करने के बाद की घोषणा की तो उनके सेनापतियों ने बड़े भय और आश्चर्य से कहा, ''श्रीमान्, सेना तो राष्ट्र का मेरुदण्ड होती है। सेनारहित राष्ट्र का अस्तित्व भला कब तक स्थिर रह सकता है?''

वाशिंगटन ने अत्यन्त आत्मीयतापूर्ण स्वर में उत्तर दिया, ''आप भूलते है, मेरे मित्र। किसी भी राष्ट्र का मेरूदण्ड उसकी सेना नहीं, उसकी सामूहिक शक्ति और समृद्धि तथा वहां की जनता का। चरित्रबल होता है। हमें ऐसी प्रजा का निर्माण करता है जो राष्ट्र - रक्षा के अपने उत्तरदायित्व को, राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्य को समझे और उस उत्तरदायित्व को पूरा करने एवं निभाने की लगन, शक्ति और साहस उसमें हो। हमारी अभिलाषा है कि हमारे राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक तन-मन से ऐसा विकसित हो कि जब भी राष्ट्र पर कोई संकट आये और राष्ट्र-रक्षा का प्रश्न उठे, तो वह मन में राष्ट्र के लिए अपने रक्त की अंतिम बूंद तक बहा देने का दृढ़ संकल्प लेकर सैनिक भेश में आप से आप-राष्ट्र-पताका के नीचे खड़ा हो। सेनापतियों! जब राष्ट्र की रीढ़ में बल होता है और उसके मानस में चरित्र की ज्योति जगमगाती है, तो बात की बात में अजेय सेना का निर्माण हो जाता है।''

ध्यान सिंह, बीए तृतीय वर्ष

महाविद्यालय का पहला दिन

जब हम इस महाविद्यालय में आए तो डर सा लगता था कि न जाने कब डांट पड़ जाए, पहले दिन जब यहां आए सहमें से थे हमघबराए, खुलकर कहने से डरते थे हम पर आपने भरी सभा में बात रखना सिखाया। इस मन्दिर के आंगन को स्वर्ग समान स्वच्छ रखना भी हमें आपने ही सिखायां

आपके कार्यों का वर्णन इन शब्दों में नहीं कर सकते, वर्णन करने लगे तो कलम कागज़ भी कम पड़ने लगेते।

मैं कहती हूं कि हम भागयवान हैं जो आपकी छत्रछाया में आगे बढ़े, उम्मीद करती हूं कि आपके नक्शे कदमों पर चलकर देश के लिए हम भी कुछ करें।

इस कलम से अब में क्या लिखूं...?
लिखने के लिए शब्दों की कमी है, बस इतना कहती हूं कि जहां सर्वश्रेष्ठ अध्यापक का खिताब मिले वो किसी और को न बस मेरे गुरूओं को मिले।

- योगिना ठाकुर, बीए द्वितीय वर्ष

जिंदगी

कल एक झलक जिंदगी को देखा,
वो रोहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूंढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी
एक अरसे के बाद आया मुझे करार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी
हम दोनों क्यूं खफा हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,
मैंने पूछ लिया-क्यों इतना दर्द दया कमबख्त तूने
वो हंसी और बोली मैं जिंदगी हूं पगले
तूझे जीना सिखा रही थी।

- भुवनेश, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

NSS CAMP 2022
राष्ट्रीय सेवा शिविर 2022

कोई काम करे ना करें मैं पहल करूं
समाज सेवा करने के लिए मैं क्यों डरूं..
किसी ने दिल लगाकर किया काम
तो कोई पूछता रहा मेहनत का दाम..
कोई आगे निकल कर खुद को निखार गया
तो कोई खुद को समझाने में ही हार गया...
दे गया यह पल ना भूलूंगा आज ना कल कितना खूबसूरत
अपना एनएसएस का दल..
कोई बीच मैं छोड़ गया कोई अंत तक साथ
हौसले पस्त ना हुए कंधे पर था गुरुजनों का हाथ

- नरेश ठाकुर, बी.ए. तृतीय वर्ष

मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्जत करता हूं, परन्तु मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता।

- विनोबा भावे

ENGLISH SECTION

Sh. Ishan Marvel
Staff Editor English

Babita
Student Editor

Editorial

Dear Friends,

Life is a beautiful gift given by God to us and we should make the best use of it. We see different phases of life at each step. Sometimes there is happiness and sometimes there is sadness, but life teaches us to face both sides.

College-time is the most important and the most beautiful and exciting part of our lives, wherein we can enjoy ourselves even as we learn and grow. We can never forget our college life, as it provides us a platform where we are free to show our talents across various fields. Our college magazine, for instance, brings together our views and ideas in a written form. In this edition, we have some brilliant work from our friends from almost all the classes. I am sure that reading this fabulous collection is going to be an inspirational experience for everyone.

I express my heartfelt gratitude to Mrs. Richa Ahluwalia, who gave me the opportunity to be the editor of the English section and guided me at every step whenever I needed help. I also want to convey my warm appreciation and wishes to all the students who contributed towards this magazine.

Babita
B.A. 3rd Year

The Rise of English as a Language

English is the world's most nuanced language. Today, you can go anywhere in the world and you'll find someone who can communicate with you in English. Some speak it well, and some speak it with difficulty, but almost everyone knows at least a few words.

Almost 400 million people in the world claim it as their first language while over 1,000 million people worldwide use it as a second language. In addition, millions of people understand bits of English, no matter how tenuous their connection with its native home of Britain. This shows that English has the capacity to find appropriate words for just about any situation, which makes it a versatile language for everything from research, trade and creative endeavors to law and warfare.

The story of English from its origins in a jumble of west-Germanic dialects to its role today as a global language is both fascinating and complex. For the most part, the rise of English to its current position as the world's lingua franca was a result of chance. Since medieval English was spoken by most of the population in the region, it became the dominant language of England; and by the 14th century, it was well on its way to becoming the national language not just for everyday life, but for administrative and literary purposes too.

Finally, English also replaced Latin as the language of the Church. Although the Bible was translated into English in the 14th century, it was not until the Protestant Reformation of the 16th century and the Age of Shakespeare that English became the language of church services. Thereon, its position as the national language of Britain was firmly established.

Then, as the 19th century approached, Britain emerged as the world's most active and powerful colonial nation. British explorers and colonist took their language with them wherever they went. At its height, the British Empire covered one quarter of the earth's surface, and the English language adopted foreign words from many countries. At the same time, English became the official language of most of Britain's colonies, including India. There were many diverse linguistic groups in India prior to the colonial times. According to the 1991 census, a total of 114 languages were identified through the classification of 1576 mother tongues into different groups. However, English now serves as an official language of India, connecting its various regions that would otherwise be unable to communicate with each other efficiently.

Meanwhile, in the 20th century, USA became the world's most powerful nation and Americans have further spread the English language to other countries of the world. Through all of this, the English language picked up new words from various other languages and developed its own modern forms of slang. Thus, the language of industrialization and modernization gradually developed from its humble origins into a much richer language spoken and understood almost all over the world, making it safe to say that it is now the language of globalization.

And just as today's English is quite different from the English of a hundred years ago, there is no doubt that it will continue to evolve into something entirely different a hundred years from now.

Nadish
B.A. 3rd year

LOVE

What is Love?
If you want to know the real meaning of love
Then you should know about the one God who is supreme to all
He is not Lord Krishna who left his Radha and moved away
He is not Lord Rama who due to the words of some other person left Sita
He is none other than Lord Shiva, who said he is nothing without Parvati
That he is incomplete without her
It Parvati exists, then Shiva exists
The one who taught the real definition of Love
My hero, Ardhanarishwara!

Khem Raj, B.A. 1st Year

Teens Are Wasting Their Time

Nowadays, a lot of teens are wasting most of their time on social media apps like FB, Instagram, WhatsApp, Snapchat and YouTube, or on games such as Freefire and PUBG. There are some who use the internet and technology in beneficial ways, but most teens are simply wasting the precious time and energy of their youth. Instead of doing so, they ought to be playing outdoor sports or engaging in physical exercise, or learning some valuable skills that would help them grow and improve their future prospects.

Here are some tips to control your mobile-phone usage:

i. Keep yourself on a schedule.
ii. Turn off as many push notifications as possible.
iii. Take distracting apps off your home screen.
iv. Use applications only when necessary
v. Stay accountable.
vi. Make changes to your notification settings.
vii. Turn off your mobile phone when you are studying or going to bed.

Thank you

Minakshi, B.A. 3rd year

Discipline

Discipline plays an important role in our life by training our mind and character. It shows adherence to rules and orderly behavior. A teacher cannot teach if the students do not maintain discipline in the class. A family becomes dysfunctional if its members do not observe discipline. Similarly, no office can function without discipline. Even in a playground the players have to obey the rules of the game, i.e. they must play with discipline. In fact, discipline is necessary in every field of existence, including our social and economic lives. Otherwise, there is bound to be confusion and disorder. It is discipline that enables a nation to march on the way to progress. However, it must be kept in mind that discipline cannot be enforced by law alone. It has to come from within and it should never be overlooked – that is the secret to achieve success in life.

Twinkle Thakur, B.Com 2nd Year

Reality of Human Life

"There is no unique picture of reality"

– Stephen Hawking

What is human life? It's just the aspect of existence that acts, reacts, evaluates and evolves through processes such as reproduction and development. Life is anything that grows and eventually dies. That's the cold truth: all living things must die one day or another. Everything you imagine or plan will never go as planned in this accursed world. The longer you live, the more you realize that human life is mostly pain, suffering, futility and emptiness. For wherever there is light in this world, there will be darkness as well.

As long as there is the concept of war, unrest, victory and dominance, the anguished and suffering shall also exist. Often the selfish intent of wanting to preserve peace initiates war, and thus hatred is called upon to supposedly protect peace and love. Such causal relationships between human beings and their reality cannot be separated. For in the true sense, we humans are nothing but a medium carrying out the general process of life.

Love is the most essential element, but most of us don't get it. And it's okay to not know love, but still, to survive in this world we need to make ourselves capable. People's lives don't end when they die, but when they start losing faith in the almighty God. For in this human life, what we consider as knowledge and awareness are pretty vague and perhaps better called illusions. So in the end, everyone has their own interpretations, and all I can say is, "Let us live for the beauty of our own reality."

- Lokesh Thakur, B.A. 2nd Year

You are Unique

"Live your life today as most people won't, so that you can live the rest of your life as most people can't."

Like any other person, animal, flower, tree or rock, you are unique in your own way. Yet, we often tend to compare ourselves with others, and similar tendencies are forced upon us by parents, teachers and society as well. As a result, false feelings of inferiority or superiority emerge, deterring our wholesome growth.

Taking a personal example, my younger brother is in the 11th standard and unlike me he is not interested in academics. However, our family keeps making comparisons between us, constantly scolding my brother to study hard and get good grades like me. This I feel only demotivates him further and makes him feel ashamed. I wish I could make my family understand that my brother and I are two different individuals with our own likes, dislikes, interests, strengths and weaknesses, whereby we have quite different potentials within us. Just as I am better than him at academics, he is capable of doing things that I can't even imagine. Among other things, he enjoys photography and wants to join the Indian army. And so, we must motivate him in this direction where he will do his best instead of forcing him into things that do not interest him.

Not everyone can become a doctor, engineer, civil servant, dancer, singer and so on. What about human diversity? We all have our own interests, perspectives and capabilities. If all of us are allowed to pursue our own talents, it is inevitable that we will give our best and live with honour and dignity. And for this, we must first of all stop this tendency of unnecessarily comparing ourselves to others. Instead, we must cherish the fact of our uniqueness and find our own path. Nobody is perfect and we all have flaws, but it is often these imperfections that make us unique. Remember, God designed you the way you are for a certain purpose. Thus, you are you and I am I, and that is precisely what makes human existence rich and special.

Pushplata, B.A. 1st Year

My mom tells me to wear skirts less often

Because Nirbhaya and others have come and gone
And been forgotten
So I wear my pants long and my necklines high
Don't show my cleavage or a hint of my thighs
Because if I wear less, I am more than just flaunting
I am risking it!
Risking not my virginity, but my life, my honour
Because my hymen must be sacred, intact till I'm a wife
Or else, I'll be called a slut and more
Not pure as I was once before
And so, my mom tells me to wear skirts less often
Because Nirbhaya and others have come and gone
And been forgotten

Gavishti Negi, B.A. 3rd Year

Gadagusain

Gadagusain is one of the most beautiful places in Banjar tehsil, about 28 km from Banjar town. Interestingly, half of Gadagusain comes under Kullu district while the other half falls in Mandi district. Over the past few years, Gadagusain has become an upcoming tourist spot, as it gets covered in snow in the winters and enjoys an extended spring season until summer. The major tourist attraction here is the temple of Mata Jalpa and Gadagusain town provides all kinds of basic facilities. Apart from a government hospital and a government degree college, there are two schools here: a Government Senior Secondary School and a private one called Gods Valley Public High School. A five-day festival known as the Gadagusain Mela is also celebrated in the month of July.

Bhubneshwari, B.A 3rd Year

Philosophy of Life

Why are we here on this earth?
To do some specific work for humanity?
Is life only for joy and fun?
Is life only for passing our days?
Is life only for feeding ourselves and taking care of basic needs?
What is life for the people who work hard but can't afford even such daily needs?
What is life for the people who have so much money that it cannot be exhausted even if they buy everything?
And what is life for those who are happy with whatever little they have?
What is life for those children who instead of going to school work in dhabas for survival?
What is life for those educated youths who get frustrated for not getting any work?
What is life for those brilliant students who fall ill right before their all-important exam?
And what is life for those people who are still waiting for justice after all these years?

So many questions about life pester my mind, and I can think of only one answer: That life is about love, kindness and service to humanity; about helping each other and working for the good of others, especially those who are neglected in society. Why are so many people committing suicide? How do we learn the importance of life, and from whom? Ask the people who against all odds and suffering somehow achieved their goals, ask them what life means to them? Ask the same question to a mother whose soldier son died at the border. Or else, simply go to the forest and perhaps ask a bird or a tree. Maybe, just maybe they might have an answer for you.

And in any case, remember: Life is not forever, and perhaps this is our one and only chance to live it. So cherish it and make it as beautiful for yourself and those around you. Love, and let live.

- Susham Lata, B.A. 2nd Year

Cleaning the Tirthan

Once, my friends and I went to visit the beautiful Tirthan valley. There was a lot of greenery all around and the beauty of the Tirthan river was particularly spell-binding.

I was fascinated and amazed to see such beauty, but then, as we moved forward I began to notice trash everywhere. We came across some volunteers who turned out to be environmentalists working towards keeping the area clean and green, and so, we too joined them in their work. Firstly, we were directed to help clean the nearby riverbed, which took a lot of time but when we were finally done, there wasn't a single piece of paper, plastic wrapper or bottle lying around. But of course, collecting the trash is one thing, but if it's not disposed of or recycled properly, it continues to pollute the environment.

Without proper waste management, cleaning is basically transporting trash from one place to another. So, we decided to recycle all the non-biodegradable trash we had collected by making them into items of daily use that can be used for decoration, storage, etc.

Finally, to end our worthwhile visit, we also planted some trees in the nearby forest.

- Ganga Devi, B.A. 1st Year

Film Review of *Shershaah* (2021)

STORY: *Shershaah* hronicles the events in the run up to the Kargil war and the role of Captain Vikram Batra (PVC), whose indomitable spirit and unparalleled courage contributed immensely to India's victory.

REVIEW: The Kargil conflict – the toughest mountain warfare ever. Fought at a dizzying altitude of 17,000 feet, this historic war had a lot at stake. The Pakistani troops had infiltrated into the Indian side of the Line of Control (LoC), disguised as Kashmiri militants. The skirmishes quickly escalated into a full-blown war that also chalked the journey of a soldier from Lieutenant to Captain for his absolute dare-devilry and patriotic spirit to unfurl the tricolour at the highest point of conflict. Even if that meant laying down his own life for the cause.

But before we get there, director Vishnu Varadhan and his writer Sandeep Srivastava take it slow. So we are taken right back to a childhood sequence of Captain Vikram Batra (Sidharth Malhotra) and shown his growing up years, finding the love of his life Dimple Cheema (Kiara Advani), before he is finally posted at the 13 JAK Rifles as a Lieutenant. While this build-up depicts the character's journey, it doesn't do so very sharply to merit so much screentime. In fact, most of the times, Kiara Advani's track and the romantic songs featuring her, feel like a distraction from the heavy-duty subject at hand. This also impacts the pace of the film that suffers from a slow first half.

Of course, director Vishnu Varadhan had a mammoth task of doing justice to the copious amounts of data and milestones from the Kargil war, but the bulk of it is dealt with in the second half. Sidharth Malhotra shines in the war scenes and his performance evolves through the film. His earnest efforts to recreate the aura of his character's larger-than-life persona shows on screen and this is one of his better performances. Kiara Advani looks her part as a resolute Sardarni, who loves her man with all her heart. But she doesn't have much scope to perform.

Shiv Panditt is very aptly cast as Captain Sanjeev Jamwal, who is tough on the outside, but emotional from within. Nikitin Dheer is impressive as the cheerful Major Ajay Singh Jasrotia and so is Shataf Figar as the straight talking Col. Yogesh Kumar Joshi. Together, these men make for an able team that you will root for at all times. Among the many other character actors, there are a few stereotypes and clichés too, especially on the Pakistani side.

The film's overall tone is obviously high on patriotism. Many combat scenes don't reflect the large canvas that the film is set up on, perhaps more deserving of a big screen experience. Yet, as an industry, Bollywood has seldom churned out epic war films that have been critically and commercially acclaimed. By those standards, 'Shershaah' ranks high than most of the recent war dramas and tells an inspiring story that needs to be told.

The source material of this film is so strong that it is bound to grip you once the men in uniform take it upon themselves to drive out the enemy and reclaim our land. 'Shershaah's biggest victory is its effort to recreate one of the most important chapters of our recent history with characters who lead the way to a rousing climax.

Tamanna Devi, B.A. 2nd Year

Dream Big

"Don't hold yourself back and always know that you are capable of anything you set your mind to."

We all have dreams in life. Some may achieve them and some may not. History is filled with examples of great personalities who motivate us to dream big, but still, we are hindered by various restrictions and problems in life, depending on our individual backgrounds and circumstances. This could be regarding lack of adequate resources or the presence of demotivating voices around us. However, we must not get affected by such distractions and continue to dream big, as that is the first step towards success. Dreams are limitless, and they are what differentiate great people from the ordinary ones. And once you achieve your target, you will become unstoppable and even serve as a source of inspiration for others.

Take the example of Miss Universe 2021, Harnaz Kaur Sandhu, who achieved her dream at the age of 21. She belongs to a simple family from Gurdaspur district of Punjab, but she managed to achieve her goal through hard work, determination and faith in herself. There are numerous examples like this, and so, we must keep in mind that regardless of where you are coming from and what you do, what eventually matters is whether you believe in yourself and your dreams. And you must dream big! For it's your life, and you should live it the way you want. As the saying goes: "Shoot for the moon – even if you miss, you'll land among the stars."

And remember: Our dreams can only become a reality if we have the courage to pursue them.

Pushplata, B.A 1st Year

OJT Feedback

First of all, I would like to thank the Principal and the Career Counselling & Placement Cell for facilitating this OJT (On-the-Job Training) course for students of GDC Banjar in 2022. About fifty of us participated in this free course, the main objective of which was to help us in personal skill-building while providing practical and ethical knowledge regarding the tourism and hospitality industry. The course was short but very informative, and it helped us understand some fundamental things about the industry apart from providing hands-on professional experience and vital personality-building exposure. I learnt various things that I had never known and which I would have probably never learnt had I not participated in this course. Since I am from Banjar, which is a thriving tourist area, the course helped me understand my options in this realm and how I can pursue them after college. I am hoping that the skills and knowledge I have picked over the duration of this course will help me in handling my own future business in the tourism industry around Banjar.

Thank you

Minakshi, B.A. 3rd Year

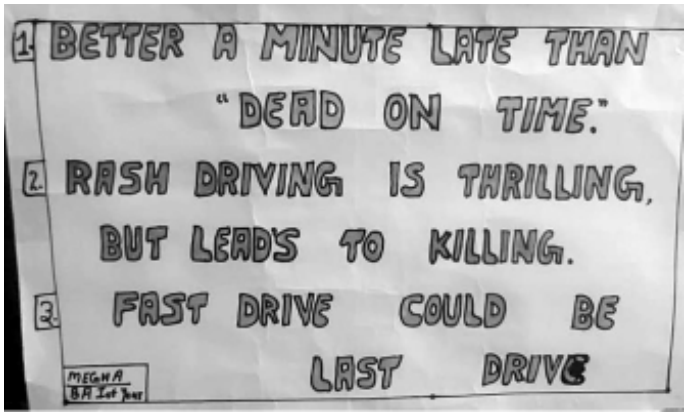

Science Section

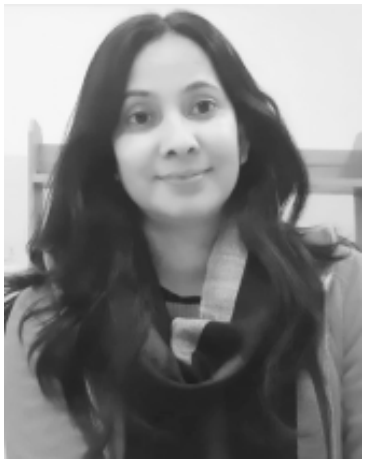

Dr. Nirmala Chauhan
Staff Editor

Pallavi Thakur
Student Editor

Editorial

Dear Students,

I extend my heartiest and warm welcome to you all to start off on exciting journey into the world of science section of our annual college magazine “Seraj Shikha”. is a platform for students to reflect their creativity. The college magazine is a window to the activities of the college. It brings the views of students in written form.

I extend my sincere thanks to all the students who have contributed to this issue and enhanced its perfection and beautification though their articles, short stories, poems etc.

I feel fortunate that this time I am representing the science section of the magazine as a student editor. I am also thankful to Dr. Nirmala Chauhan who has given me the opportunity to be student editor of science section.

Finally from the entire family of “Seraj Shikha” I wish all the readers a happy reading. Wishing all of you a successful and prosperous future.

Thanks

Pallavi Thakur
Bsc Final Year

Wonders of Science

"Science is the key which unlocks for mankind the store house of nature"

Introduction:- Modern age is the age of science. Many wonderful discoveries and inventions have been made by science. It has made our life easier and comfortable. Science play a vital role in our daily life. With its help even impossible things have possible now. There are many wonders of science such as electricity, internet, computer etc.

Electricity:- The invention of electricity brings an incredible change in human civilization. It serves us in many ways. It lights our houses, roads and offices. It gives us cool and warm air. It runs machines, factories and workshops. The presence of electricity has removed darkness from the world.

Means of transport and communication:- Buses, cars, trains, ships and aeroplanes are the greatest contribution of science. We can reach safely at part of the world within a few hours.

Science also developed a way of communication. With the help of telephone, wireless, Email and internet the world shrunk into a small village. Using internet we can talk live with our friends and family members easily. Audio and video calls through internet are the fastest mode of communication. The invention of mobiles and the internet has reduced the distance between people.

Medical Science:- Science has done wonderful work in medical field. Many new medicines have been invented. Many fatal diseases like cancer are cured through science. Also, with the help of science, the functioning of various organs in the body is checked by scientific instruments and the diseases are correctly diagnosed.

Agriculture:- Science has helped us in the development of agriculture. Use of fertilizers, better quality seeds has increased crop productions. New tools like tractors, harvester have modernized, agriculture.

Computer:- Computer is the wonderful invention of science. It is used in every field of life. It has solved many problems. Computers can do complex calculations and work quickly.

Conclusion:- Science is indeed a boon. It is very beneficial to the modern man. But, innovations and discoveries have also become destructive in various ways for mankind. We must ensure the wise use of these scientific inventions in order to save the world from the evil side of science.

"Science is a beautiful gift to humanity, we should not distort it."

- Tarna Thakur,Bsc 2nd Year

Crazy Subjects

Physics is full of attraction
Chemistry is full of reaction.
Many secret biology keeps
But often the students sleeps.
Maths actually make us mad
when we canot subtract or add,
Chocolate, Ice cream or lollipop
English is always at the top.

At last,
East or west, G.K is the Best
And that's because in this
we do not have a test.

Riya Kaushal
- B.Sc 1st(N.M).

Fountain of Bliss

Believe and be blessed:- Believe it: you are not miserable, you are not forlorn, you are taintless, you are enlightened, you are immortal, you are great, you have the divinity talent in you, you can accomplish whatever you like. There is no material difference between you and vishvamitra who went so far as to create another universe between you and sukracharya who restored life to a dead man,

Between you and prahlada who manifested God in flesh and blood out of a column of stone. And finally between you and Gopis who made infant Sri Krishna dance in response to their loving offers of butter you are as dear to God as they were. All that you lack is conviction. Be convinced of this fact and you are sure to be blessed with the same love of the lord and attain supreme bliss.

Remember-

Self confidence is the only key to success, it has efficacy of a spell in conjuring triumph.

Rest assured: There is no such thing in this world as you cannot secure, there is no such place on the face of this earth as you cannot reach. There is no such learning you cannot attain.

There is no such place on the face of this world as you cannot secure, there is no such status as you cannot attain. There is nothing impossible for your soul force.

A bird sitting on a tree is never afraid of branch breaking, because his trust is not on the branch, but on its own wings.

Always believe in yourself.

Lakshmi Negi
B.Sc. 2nd Year(Zoology major)

Did You Know

- When a person dies, they have 7 minutes of brain activity left.
- The human eye already reached its final size at the age of three and no longer grows after wards.
- Your heart beats around 100,000 times a day, 365,00,000 times a year and over a billion times if you live beyond 30.
- Laughing can increase activity of your immune system thereby preventing tumor cells and pathogens from growing in your body.
- Carbon monoxide can kill a person in less than 15 minutes
- The only part of human body which receives oxygen directly from air is CORNEA of EYE.
- Hearing your name when no one is calling you is a sign of a healthy mind.

Niranjana Thakur
BSc-2nd year

Amazing Facts

- The average person walks about five times around the world in their lifetime.
- H_2O can boil and freeze at same point called triple point of H_2O
- The tongue of the blue whale weights more than most of elephants.
- During your lifetime you produce enough saliva to fill two swimming pools.
- Saturn density of low enough that the planet would float in H_2O.
- At over 2000Km long the great barrier reefs the largest living things existing on earth.
- On Venus it snows metal and rains H_2SO_4.
- Our eyes are always the same size from birth.
- Human saliva has a boiling point three times than that of normal H_2O.
- Like finger prints everyone has different tongue prints also.
- Rhythm is the longest word without vowel.
- Human thigh bones are stronger than concrete.
- Elephant is the only mammal that cannot jump.
- Starfish have no brains.
- Dolphin sleeps with one eye open.
- The strongest muscle in the body is tongue.
- The world smallest winged insects, the Tanzanian is smaller than the eye of housefly.
- In human being without lining of mucus the stomach would digest itself.

Shilpa Chauhan
B.Sc 2nd Year

Fun Facts about Insects:

- Fear of cockroaches is called Katsaridaphobia
- Silk comes from the cocoon of a silkworm.
- Insects are on every continent except Antarctica
- A bee's wings beat 190 times a second, that's 11400 times a minute
- Ticks can grow from the size of a grain of rice to the size of a marble
- Mosquitoes are attracted to smelly feet!
- Insect stings may benefit you
- Insects are the largest group of organisms on Earth.
- Butterflies taste with their feet.
- Fireflies glow at night
- Fleas lay their eggs on other animals, not in your carpet
- Ants don't have lungs and ears.

Kanika Sharma, B.Sc 2nd year

Specialties in Zoology:

Zoology is a diverse course. The knowledge of Zoology covers many specialties.
Some of which include:

Hematology	- Study of nematodes
Protozoology	- Study of one called animals and its protozoa.
Entomology	-Study of insects.
Hydrobiology	-Study of life in water.
Parasitology	-Study of animal parasites.
Embryology	- Study of development of organism from its beginning.
Mammalogy	- Study of mammals.
Ornithology	- Study of birds.
Ichthyology	- Study of fishes.
Herpelogy	- Scientific study of animal behavior.
Ethology	- Scientific study of animal behavior
Zoogeography	- Study of distribution of animals on the surface of the earth.

Kalpana, B.Sc 2nd year

Joke

Once physics and Chemistry were quarreling with each other in the college campus.
Chemistry:- Madam Physics, I will destroy your face with conc. H_2SO_4.
Physics:- Miss Chemistry, I will throw you out from this universe with escape velocity. Chemistry Physics were standing parallel to each other and Mathematics was hearing them.
Mathematics:- 'Hey! Listen, stop this quarrel! You don't know that parallel lines can never meet with each other.

Riya Kaushal, B.Sc 1st (N.M)

Articles

1. Science Unit

Studies can be
Scary to us, Parents
But
Think outside the house
And
It becomes An
Adventure!

2. Maths

Down with old Pythagoras
And down with rotten maths
Down with Archimedes
And down him at the the baths.

If anyone had to do it
I had make sure it was me
First I had wholly immerse him,
Then kick him up a tree.

When he had been disposed of,
I had turn on old python
I had drag him through a holly bush,
And he had come out like a rag.

Now my pipe dream's over
And I have nothing more to say
Except that maths still lives on
To be taught another day.

3. Success

Consists of Going
from
Failure to failure
without
Loss of
Enthusiasm.
-There is no
Elevator
To success
You have to
Take the
Stairs
If the plan
does not work
change the plan
not the Goal.

4. Time

Time is what we want most, but what we use worst. Time has a wonderful way of showing us what really matters. The way we spend our time defines who we are. If you love life, do not waste time for time is what life is made up of. A man who dares waste one hour of time has not discovered the value of life time is a storm in which we are all lost. Time does not change people; time reveals the face of people. "Time is too slow for those who wait too swift for those who fear, too short for those who rejoice, but for those who love time is eternity."

Time is free,
but it is priceless.
You cannot own it,
but you can use it.
you cannot keep it,
but you can spend it.
Once you have lost it
you can never get it back

5.Value

to realize the value of one year,
ask the student who failed a grade

To realize the value of one month,
ask the mother who gave birth to a premature body.

To realize the value of one week,
ask the editor of a weekly newspaper.

To realize the value of one day,
ask the person who was born on February 29th.

To realize the value of one hour,
ask the lovers who are waiting to meet.

To realize the value of one minute,
ask the person who missed his train/bus.

To realize the value of one second,
ask a person who just avoided an accident.

to realize the value of one millisecond,
ask the person who won a silver medal in the Olympic.

Jyotika Thakur, Bsc. 2nd Year

What is Earth Science?

Earth Science is the study of the Earth and its neighbors in space. It is an exciting science with many interesting and practical application. Some earth scientist uses their knowledge of the earth to locate and develop energy and mineral resources other study the impact of human activity of Earth's Environment, the design methods to protect the planet. Some use their knowledge about earth processes such as volaconoes, earthquakes, and hurricanes to plan communities that will not expose people these dangerous events.

Shivani, B.Sc final year

New Discovery

James Webb Space Telescope (JWST)

This telescope is developed by NASA, the European space Agency and the Canadian space agency. It is intended to succeed the Hubble space Telescope.

Worth:- This telescope worth 10 billion USD.

Appearance:- Webb's mirror are coated with Gold to optimize them for infrared light. that's why it looks yellowish in colour.

Weight:- James webb Telescope weights about 14,000 pounds (6350 Kg)

Launch Date:- One December 25, 2021 and from kourou, French Guiana.

Purpose:- The telescope will spend 5-10 years studying the information of the universe earliest galaxies, how our solar system developed and if there is life on other planets.

Major Qualities:- i) It is most Powerful telescope on earth.

ii) It is designed to view world in infrared. Instead of visible and ultra violet focus of Hubble.

iii) It has diameter of primary mirror of 6.5m which allows to see objects from more far away distance.

Dolma, BSc-2nd

Human blood

Blood is constantly circulating fluid providing the body with nutrition, oxygen and waste removal. Blood is mostly liquid with numerous cells and proteins suspended with numerous cells and proteins in it, making blood thicker than pure water. The average her person has about 5 liters more than a gallon of blood.

Liquid called plasma makes up about half of the content of blood. Plasma contains proteins that help blood to clot, transport substances through the blood also contains glucose and other dissolved nutrients. There are three types of blood cells or corridors.

Red blood corpuscles (RBC) or erythrocytes these are circular biconcave and non nucleated cells. Males have about 5.4 million erythrocytes females have about 4.8 million/mm3 range 3.6-5.2 million)

White blood corpuscles (WBC) or leucocytes:

These are clear cells lacking hemoglobin. They are nucleated cells euitelriting amoeboid movement. They protect the body against invading micro-organisms and remove dead cells from the body. There are five types of leucocytes.

a) Neutrophils:- 60-70% in the blood! There nuclei cam occur in more than one/arm.

b) Eosinophils (2.0-4.0)% They are motile cells that leave the circulation to enter the tissue during inflammatory

c) Basophils (o.5-1%) allergic and inflammatory reaction

d) Lymphocytes (20-25%) These are smallest leucocytes. They are more common in lymphatic tissue. B-cells and T-cells.

e) Monocytes 3-8% These are largest leucocytes. They destroy bacteria, dead cells and cell fragments.

Some fact about human blood

- Nearly 7% body Weight of human is made up of blood.
- Platelets white blood cells and red blood cells are present in blood
- Blood consists of a yellow liquid which is known as blood plasma.
- Blood plasma is primarily made up of water

Kanika Sood, B. Sc 2nd Year

Scientific Inquiry

Scientists are like explorers, using what they know and see to blaze a trail that, step by step, will lead to new discoveries:

Formulate, distill and focus, narrow down, define the gist, determine scope and pinpoint locus- this is your hypothesis.

Gather all the stuff you need, to put in play the machinations. Document the happenings these comprise your observations.

What things change and what things stick?

Record the outcomes and effects. Don't presume and don't predict collect the data: just the facts.

Combine the concrete things you see with what you know and trials you test. Interpretation is the key-results are where you end the quest.

Shivani Thakur, B.SC. 2nd Year

Ethane in the sky

On march nights, we were treated to the glorious spectacle of Hyakutake spreading across the sky. Astronomers from all over the Earth turned to look at the comet. They were well rewarded. The Hubble space Telescope got the first ever look from the earth at the icy nucleus that inside a comet. For the first time, a comet was seen giving off X-rays point, but because Hyakutake passed only 15 lakh kilometers from the earth. They were caught by an X-ray telescope other astronomers have been busy looking the spectrum of the comet. This usually gives a lot of information about the compounds that are in the comet. Michael Munna and Michael Di Santi found methane in the comet, forming almost 1% of the comet's ice. Until now, methane has only been found in the planets and their moons. Happy at their success, Mumma and Di Santi then looked even more carefully at the spectra then even more carefully at the spectral lines of the comet. They found the lines of ethane, a compound which has not been found in space before. Ethane is another 1% of the comet's ice. They are looking at the lines again. Who knows, they might even find something like naphthalene.

Nainita Rani, B.Sc 2nd Year

Science in Everyday Life

Today is the age of Science and technology. A modern man cannot live his life without applying science and technology. Science does not necessarily mean tools equipped with technology, but it is all about innovation of new ideas the discovery of knowledge based on facts. Science is interlinked with every field of one is life. Science has converted the world into a global village. Science is not limited to the sphere of the earth. It has studied the whole universe. Science has helped human beings by innovating new machines. A year's work is now a minute away and a thousand men's work is the hand of a single person. Thanks to science which has not only discovered machines but also has removed many superstitions and evil social parties, as science has modernized the thinking of mankind. Without the application of science. One can never spend even a single day of his life.

Ishan Thakur, B.Sc 2nd Year

साइंस और कुदरत

आज साइंस करे चाहे लाख तरक्की,
पर कुदरत से लड़ नहीं सकती।
चांद बना सकता है।
कुदरत सब कुछ कर सकता है
मानव ने फल और फूल उगाए
पर विचार करो कि बीज कहां से आए।
सांइस ने बहुत कुछ कर दिखाया
सुई से लेकर जहाज़ बनाया।
पर क्यों न साइंस ये जान जाए
दुनिया में भूकंप क्यों आए।
साइंस ने की है खोज लाख
खतरा नहीं है कैंसर का आज।
पर साइंस ऐसा कर सकती है,
मौत का वक्त बदल सकती है,
जीना मरना हर प्राणी का
खेल है ये सब कुछ कुदरत का।
साइंस ने जो कुछ भी किया है आज
सब में था कुदरत का साथ।

किशोर

मैथ की दुनिया

हिन्दी में शून्य, उर्दू में सिफर, अंग्रेजी में बोलते है जीरो।
आर्यभट्ट के निर्माण कर के ये, बन गए हैं वो मेथस के हीरो।
उछल पड़े वो नंबर क`जल में, 1, 2, 3, 4 के निर्माण में।
फिर पायथागोरस है आते, मैथस में अपना जलवा दिखाते।
थोड़ी देर में रामानूजन आ जाते,
पायथागोरस का साथ निभाते।
फिर रेने डिसकारअस भी आ जाते,
रेशनल, टरेशनल में डिफरेंस बतलाते।
इसी तरह आगे बढ़ते, फॉरमूले और
मैथस की दुनिया भरी पड़ी।
भक कर सोर सोने जाते, सपनों में भी मैथस बनाते

"An error does not become truth by reason of multiplied propagation, nor does truth become error because nobody sees it.Truth stands, even if there be no public support. It is self sustained."

- Mahatma Gandhi

Life of Science Student

The life of science student is full of tears and worries. He is unable to discover a catalyst that can decrease the rate of his worries. He can't take sound sleep because ultrasonic sound of physics is always buzzing in his ears. The process of attraction attracts him to his looks. But force of repulsion repels him from studying them. The balance of physics and chemistry always puts his mind cut to balance. Electron charge always discharge him.

A science student emphasizes himself to become cool, but when he enters the examination hall his mind is heated due to the heat of friction and concentration is spread out. But finally by uses of mathematics he integrates his consent ratio and becomes an ideal.

Pallavi Thakur, B.Sc Final year

Nature: A Great teacher

Nature is like mother. It is essential for us because it provides all the basic needs of life. Nature is also a great teacher. We can learn many lessons from her. The flower blooms only for a day, yet it keeps smiling till the end. This is a lesson for us. Who should live our life to the fullest, how short it may be. Water is soft but it flows over hard rock's the rocks give in. In the same way our problems may be difficult but if we persist, they too give in. Tiny ants organize themselves any carry away heavy insects. They teach us that we can do impossible task through team work. Similarly the bear in winter come back to its green majesty once again in spring. We can learn from it,that the difficult time will never remain with us forever. Thus, nature is the greatest gift of god to mankind. Every object of nature teaches us something about life.

Pallavi Thakur, B.Sc. Final Year

Fourth state of matter

Plasma, the fourth state of matter (beyond the conventional solids, liquids and gases), is an ionized gas consisting of approximately equal number of positively and negatively charged particles. It is a state of matter in which an ionized substance becomes highly electrically conductive to the point that long-range electric & magnetic fields dominate its behavior.

Plasma the fourth state of matter was discovered per William Crookes in 1879, however, the term plasma was introduced by Langmuir in 1928 to describe the state of matter in the +ve column of glow discharge tube.

Examples of a plasma state of matter:-

Lighting, electric sparks, fluorescent lights, neon lights, plasma televisions, some types of flame and the stars are all examples of illuminated matter in the plasma state.

Properties of plasma the fourth state of matter Like gases, plasma has no fixed shape or volume and is less dense then solids or liquids. But unlike ordinary gases, plasma are made up of atoms in which some or all of the electrons have been stripped away and positively changed nuclei, called ions, roam freely.

Is the sun-Plasma?

The sun is made up of a blazing combination of gases. These gases are actually in the form of plasma. Plasma is a state of matter similar to gas, but with most of the particles ionized. Instead the sun is composed of layers made up almost entirely of hydrogen and helium.

Yukta Thakur, B.Sc 2nd year

COMMERCE SECTION

Dr. Dave Ram
Teacher Editor

Twinkle Thakur
Student Editor

Editorial

I am very happy to get this opportunity to work as the student editor of the commerce section of our college magazine. In this capacity, I would like to spread the message that nothing is difficult and at the same time, nothing is easy. For if we do nothing, we won't even get the easy things in life. On the other hand, if we work with 100% commitment and dedication, even the difficulties of life seem to become easy.

So friends, enjoy your life in your own splendid and unique way. Really, each moment in life is precious, so always try to make them memorable.

I would like to express my heartfelt thanks to Dr. Dabe Ram, who considered me capable enough for this position of student editor. I also thank all the students who submitted their work for this magazine, and I wish you all a happy and successful future from the bottom of my heart.

Twinkle Thakur

B.Com. 3rd year

CAREERS RELATED TO COMMERCE

Considering the positively changing scenario around the world in the realm of economic activity, commerce as a career option is one of the best to pursue. Commerce is way more than just a subject. It is so dynamic that it encompasses a whole field of knowledge in itself. Its students are familiarized with concepts of business, trade, market fluctuations, basics of economics, fiscal policies, industrial policies, stock market, etc. A person who is in this field for a number of years knows how to predict events, decide upon the outcomes and how they shall affect the decisions of the present and future.

Listed below are some of the best career options that one may pursue after graduating as a student of commerce:

1. The first and the most popular course that attracts maximum number of students is that of Chartered Accountancy (CA), which is a professional course administered by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). The level of difficulty is higher as compared to regular bachelor courses, and it involves subjects like traction law, auditing, costing, etc.
2. Company Secretary: This is an option for those students who are interested in law and theoretical subjects. One goes through a professional course involving different levels like that of CA, and it is administered by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI).
3. Cost of Management Accountant: CMA is another professional course that includes knowledge related to costing, planning, controlling and different aspects of management accounting. It is governed by the Institute of Cost Accountants of India.
4. Last but not the least, a diploma in Digital Marketing is one of the best career options available nowadays. Digital marketing is different from traditional marketing since one can promote various services or products through online mediums while sitting on a chair. Market research and statistics show that digital marketing managers are receiving 16% higher incentives in comparison to others, and that the sphere of digital marketing has the capacity to continually generate millions of job opportunities.

Twinkle Thakur, B.Com. 3rd year

Accounts Poem

Debit, credit, income, gain
All is for the depreciating brain
Opening, working, closing stock
Really gives us quite a shock
Entry may be single or double
But it always puts us in trouble
Capital, liabilities and arrests
Carriage outward and bad debts
Prepaid, unpaid or outstanding
Make it beyond our understanding
Sheets of balance and adjustments
Debtors, creditors and patents
Discount, premium, equity, debentures
Makes the mind full of punctures

Jyotika
B.Com. 2nd year

The Problem of unemployment

Among all the problems that India faces, the problem of unemployment is the most challenging, particularly when it comes to skilled and educated people not finding gainful work. One can see long queues of unemployed youth standing outside employment exchanges. The main cause of unemployment among the educated is our defective system of education, which has failed to link up with social needs. Our universities produce graduates like stacks of pins coming out of a factory, but only to join the ever-increasing army of the unemployed. They just might find a clerical job if they are lucky, but such jobs too are limited.

Unemployment appears in various forms. For instance, most people in India live in villages and rely on farming for their survival. As a result, one finds seasonal unemployment here when there is no work to be done in the fields. Gandhi ji had suggested the development of cottage industries for precisely this reason, as such industries go a long way in solving the problem of seasonal unemployment in addition to improving the overall economic conditions of the villages. But of course, one of the primary reasons behind the rising trends of unemployment is our ever-growing population. There is no doubt that a large number of jobs have been created since independence. However, at the same time, the population of our country has multiplied so much that the number of jobs has fallen quite short.

Twinkle Thakur
B.Com. 2nd year

Analysis of ILFS Crisis

The Infrastructure Leasing and Financial Services (ILFS) is a core investment company formed in 1987 and registered with the Reserve Bank of India (RBI). The main shareholders include LIC and Abu Dhabi Investment Authority with 25.3% and 12% stake-holding respectively. It is majorly supported by financial institutions such as the Central Bank of India, HDFC and the Unit Trust of India.

ILFS is an institution that provides finance and loans for the construction of major infrastructure projects, like the Delhi-Noida Toll Bridge and power projects in Tamil Nadu. However, it eventually crashed because it lent capital to a lot of projects that went sour for one reason or the other. It was unable to re-finance after it started defaulting and its credit ratings fell. Moreover, its debts are the result of mismanaged borrowings in the past. This credit crunch faced by ILFS has affected the nation's financial markets, triggering concerns regarding risk in the rest of the country's shadow-banking sector.

To sum up, the main reasons behind this crisis are:

1) ILFS piled up too much debt to be paid back in the short term while revenue from its assets is skewed towards the long term.

2) It revealed a series of delays in interoperable deposits.

Thus, the ILFS crisis is a classic case of over-leveraging and asset-liability mismatch caused by funding projects of 20-25 years payback period with relatively short-term funds of 8-10 years. All the financial market institutions must learn a lesson from this ILFS episode.

Sujata Thakur, B.Com. 2nd year

Less and More

Think less, do more
Read less, listen more
Drive less, walk more
Sleep less, wake more
Waste less, use more
Hate less, love more
Speak less, listen more
Rest less, work more
Accuse less, appreciate more
Destroy less, build more

Kusam Thakur, B.Com. 3rd year

Gateways to Success

If you read less and write more
If you learn less and think more
If you play less and study more
If you tire less and work more
Mind it you will get success sure
If you speak less and devote more
If you insult less and respect more
If you order less and obey more
If you tire less and try more
Mind it you will get progress sure.
If you punish less and forgive more
If you spend less and save more
If you preen less and serve more
Mind it you will get progress I am sure.

Sujata Sharma, B.Com. 1st year

SEBI

The Securities and Exchange Board of India (SEBI) is a regulatory body for the securities and commodity market in India under the ownership of Ministry of Finance, Government of India. It was established on 12 April 1988 and given statutory powers on 30 January 1992 through the SEBI Act, 1992. Its headquarters are located in the business district of Bandra-Kurla complex in Mumbai, and its Northern, Eastern, Southern and Western regional offices are located in New Delhi, Kolkata, Chennai and Ahmedabad respectively. Additionally, it also has local offices at Jaipur, Bengaluru, Bhubaneswar, Patna, Guwahati, Kochi and Chandigarh. SEBI regulates the Indian financial market through its various departments, such as the General Services Department (GSD), the Human Resources Department (HRD) and the Invesigations Department (IVD).

Deepa, B.Com. 3rd year

यदि किसी क्रिया में से प्रबन्ध घटा दिया जाए तो शेष शून्य है

प्राचीन काल में व्यवसाय छोटे पैमाने पर दिया जाता था तथा प्रबन्ध का कोई विशेष महत्व नहीं था। अब बड़े पैमाने पर व्यवसाय होने लगा है। परिणामस्वरूप अनेक जटिलताएं सामने आने लगी है। न जटिलताओं के समाधान के रूप में प्रबन्ध की आवश्यकता महसूस होने लगी है। आज प्रबन्ध की पहचान उस कला के रूप में स्थापित हो चुकी है जिसके द्वारा कम से कम प्रयासों द्वारा अधिकतम खुशहाली प्राप्त की जा सकती है। प्रबन्ध प्रत्येक व्यवसाय का गतिशील एवम् जीवनदायक तत्व है। इसके अभाव में उत्पादन में साधन केवल साधनमात्र ही रह जाते है। कोई भी संस्था बिना प्रभावी प्रबन्ध के अधिक समय तक सफल नहीं हो सकते। बहुत कुछ सीमा तक अनेक आर्थिक सामाजिक व राजनैतिक लक्ष्यों की प्राप्ति योग्य प्रबन्धकों पर निर्भर करती है।

प्रबन्ध एक ऐसी शक्ति है जिसके प्रत्यक्ष या मूर्त रूप से देखा नहीं जा सकता। केवल संस्था की सफलता के मूल्यांकन के आधार पर इसकी अनुभूति की जा सकती है।

कॉमर्स का बड़ा महत्त्व

वाणिज्य को अंग्रेजी भाषा में कॉमर्स कहा जाता है। कॉमर्स को अगर हम सरल भाषा में कहें तो हम यह कह सकते है। कि वस्तु के निर्माण से लेकर वस्तु को उपभोक्ता तक पहुंचाने में जितनी भी क्रियाएं की जाती है वह सभी क्रियाएं कॉमर्स में शामिल में शामिल की जाती है। कॉमर्स एक ऐसा विषय है, जो आजकल जैसी अर्थव्यवस्था में जहां उद्योगों के उत्थान की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं पर कॉमर्स पढ़े छात्र अपना रोज़गार सुनिश्चित कर रहे है। कॉमर्स पढ़े छात्र भिन्न-भिन्न स्थानों पर सहयोग देकर आजीविका कमा रहे है। न केवल नौकरी बल्कि अपना खुद का कारोबार स्थापित कर अपना व अपने साथ अन्य दूसरे लोगों का रोज़गार भी सुनिश्चित कर सकते है।

आज मैं आप सभी का ध्यान कॉमर्स के बढ़ते महत्व के बारे में दिलाना चाहती हूं क्योंकि कॉमर्स पढ़े छात्रों की आवश्यकता बहुत अधिक होती जा रही है। क्योंकि भारत में उद्योगों, कारखाने कम्पनियां बैंको, स्कूलों इत्यादि का अधिक विस्तार होता जा रहा है।

अब कॉमर्स में अधिक छात्र-छात्राएं रूचि ले रहें है। क्योंकि कॉमर्स पढ़े छात्रों की आवश्यकता बहुत अधिक होती जा रही है। क्योंकि कॉमर्स में बहुत सारे बदलाव दिन प्रतिदि होते जा रहे है। जैसे : ई-बैंकिग, ई-बिजनेस, इंटरनेट, बिग बाज़ार, ई-सर्विस, ई-नेटवर्किग इत्यादि ये सभी क्रियाएं कॉमर्स में शामिल है। जिससे कि कॉमर्स अधिक विस्तृत होता जा रहा है।

- सरोजनी ठाकुर, बी कॉम तृतीय वर्ष

चमत्कार वाणिज्य के

समय के साथ बढ़ रहा है वाणिज्य का परिवार,
नर-नारी और भावी पीढ़ी को हो गया है इससे प्यार,
हर पल हर क्षण दिमाग में बैठा है व्यापार,
एक रूपये का शेयर ये है वाणिज्य के चमत्कार।
देशो विदेशी कम्पनियों का फेल रहा है बाजार,
तभी तो पैदा हो रहे हर्षद मेहता अब हज़ार।
सुबह उठकर देखते है लोग दैनिक अखबार,
कहीं घट न गई हो अपने शेयर मार्किट की धारा,
ये है वाणिज्य के चमत्कार।।
कहां बैठ सकते है नेता इसको देख कर बेकार,
लगाके कर लोगों पर चलाई देश की सरकार।
व्यापारी न बैठे है सरकार के असली साहुकार,
अनपढ़ बन गये नेता दिखा कर धन की तलवार।
ये है वाणिज्य के चमत्कार।
संसार को बना दिया एक छोटा सा बाजार,
योजनाओं और नीतियों पर है इसका आधार,
जन में जो समझ गया इसका सार,
उसका सुखी रहा है अपना घर-परिवार।
ये है वाणिज्य के चमत्कार।

निशा
बी. कॉम.

संस्कृत अनुभाग

श्री नरेश कुमार
प्राध्यापक–सम्पादक

सुनीता देवी
छात्र सम्पादक

सम्पादकीयम्

असमाकं राजकीय महाविद्यालये बंजार 'सिराज शिखा'' नामधेया पत्रिका प्रकाश्यते। अस्यां पत्रिकायां संस्कृत अनुभागे छात्रैः निजेच्छानुसारं निबन्धात्मकम्, इतिहासात्मकं हास्यव्यंग्यानि, सुभाषितानि अन्योअन्यानि लेखानि समर्पितानि अस्याः सफलतायाः श्रेयः परिचुम्वते गुरुजनामेव यैश्छात्रैः निजलेखानि प्रकाशनार्थं दत्तानि तान् प्रति आभारं प्रकटयामि अहम्।

गौरवम् अनुभवामि आत्मानं अहम् यत् विद्यालस्य ''सिराज शिखा' पत्रिकायाः अहम् संस्कृत विभागस्य छात्रा सम्पादिकारुपेण कार्यं करोमि।

प्रचलितासु विश्वभाषासु संस्कृत भाषा प्राचीनतमा!

अस्याः पत्रिकायाः माध्यमेन सुयोग्य छात्र–लेखकैः लेखिकाभ्यश्य सरल सुवोध संस्कृतेन लिखितैः लेखैः यत्र पाठकानां संस्कृत भाषायां रुचिवर्धनम् भविष्यति यत्र संस्कृत साहित्ये विद्यमानानां गूढविषयानां वोधोपि भविष्यति तथा भारतीय संस्कृतेः परिचयोऽपि भविष्यति।

साहित्ये समलंकृत सुचरितं
धन्यतु तनैव सा।
गायन्तां मनसेप्सितम् मतिमतां
स्फीता 'सिराज शिखा''।।

सुनीता देवी
छात्र–सम्पादक

पर्यावरणः प्रदूषणम्

सम्प्रतिके काले निखिलेअस्मिन् जगति मानवसभ्यतायाः समक्षमनेके समस्याल्मका दुष्प्रभावाः समुजृम्भते।

पर्यावरणस्य प्रदूषणमपि तथैव मुख्या समस्या मानवसभ्यतायै परिदृश्यते। अधुना औद्योगिक प्रसरोण न केवलं भूमण्डल दूषितं भवति। प्रतिदिनं परमाणुयंत्राणां रेडियोधर्मिता सर्वत्र प्रसरति, विषाक्तगैसीयतत्वानां प्रसारेण, वृहदाकारोद्योगिक यंत्राणामपशोषितै पदार्थैः, विविधानां यानादीनां धमपुञ्जैश्च तथैवान्यैः संयंत्रादिमिः सर्वत्रवातावरणं भूलोकस्य वायुमण्डलं प्रदूषितं भवतीति वृतं छग्गेचरी भवति। अस्मिन् वैज्ञानिके युगेअपि यदि पर्यावरणप्रदूषणस्य निरोधोपायः समुचितो न स्यातदा कस्मिन् युगे भविष्यति। पर्यावरणप्रदूषणस्य प्रभवाद् जगति रोगदीनां वृध्दिः सञ्जाता, अत्रपानादिषु रेडियोधर्मिपदार्थानां सम्मिश्रणात सर्वत्र वायुमण्डलं तु दूषितं भवत्येव, तस्माद् आनुवंशिकप्रभावोअपि भवित। अनेन भविष्यत्काल मानवसभ्यतायाः विनाशेअवश्यम्भवति निवृप्रचतम्। विश्व स्वास्थ्य संघटनेन पर्यावरण सन्तुलनानर्थमनेके उपायाः प्रतिपादिताः। अस्माकं देशेअपि पर्यावरणप्रदूषणस्य निवारणार्थं सर्वकारद्वारा व्यवस्था क्रियते, तदनुसार, गंगानद्याः स्वच्छताभियानं, अशुद्धजलमलादीनां, विशुद्धयर्थं संयन्त्राणि स्थाप्यते जनजागरणमपि प्रचलति प्रदूषणनिवारणस्थोपायाः विछयश्रापि निर्दिश्यन्ते। स्वच्छ विविधोपायैरेव पर्यावरणस्य संरक्षणं भवितुमर्हति।

– ज्वाला देवी, कक्षा बीए प्रथम वर्ष

सदाचारः

सताम् आचारः सदाचारः इत्युच्यते। सज्जनाः विद्वासों च यथा आचरन्ति यथैव आचरणं सदाचारो भवति। सञ्जनां स्वकीयानी इन्द्रियाणि वशे कृत्वा सर्वे सह शिष्टतापूर्वकं व्यवहारं कुर्वन्ति। ते सत्यं वदन्ति, मातुः पितुः, गुरुजनानां, वृद्धानां, ज्योष्टानां च आदरं कुर्वन्ति। तेषां आज्ञां पालयन्ति सत्कर्मणि प्रवृत्ता भवन्ति। जनस्य समाजस्य राष्ट्रस्य च उन्नत्यै सदाचारस्य महती आवश्यकता वर्तते। सदाचारस्याभ्यासों बाल्यकालादेव भवति। सदाचारेण बुद्धिः वर्धते नरः धार्मिकः शिष्टो, विनीतो बुद्धिमान् च भवति। संसारे सदाचारस्यैव महत्त्वं दृश्यते। ये सदाचारिणः भवन्ति, ते एव सर्वत्र आदरं लभन्ते। यस्मिन् देशे जनाः सदाचारिणो भवन्ति तस्यैव सर्वतः उन्नतिर्भवति। अतएव महर्षिः आचारः परमो धर्मः इत्युत्यते। सदाचारी जनः परदारेषुमातृवत् परधनेषु लोष्ठवत्, सर्वभूतेषु च आत्मावत् पश्यति। सदाचारीजनस्य शील एव परमं भूषण अस्ति।

सुनीती देवी, कक्षा बी.ए. प्रथम वर्ष।

कोराना वायरसः

कोरोना वायरसः एक विश्वव्यापी संक्रमण अस्ति।
कोरोना वायरसः अनेक प्रकारणाम् वायरसुनाम् एक समूह अस्ति।
कोरोना वायरसस्य प्रकोपस्य आरम्भः चीन देशस्यः वुहान् स्वास्थ्य संगठनम् कथ्यत् कोविड–19 एका महामारी अस्ति।
कोरोनस्य प्रकोपः अति भयावहः अस्ति।
वर्तमान् समय कोरोना वायरस्य वैकसीन सर्वत्र उपलब्ध अस्ति।
कोरोना महामारी मुक्तः सर्वे जनाः सहयोगम् अति आवश्यकः अस्ति।

– रूपा देवी, बीए प्रथम वर्ष

संस्कृत भाषायाः महत्वं

संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा सर्वोत्तमसाहित्यसंयुक्ता चास्ति।। संस्कृतभाषाया उपयोगिता एतस्मात कारणाद् वर्तते यद एषैव सा भाषाऽस्ति यतः सर्वासाम् भारतीयानाम् आर्यभाषाणाम् उत्पत्तिर्बभूव। सर्वासामेतासां भाषाणाम् इयं जननी। सर्वभाषाणां। मूलरूपज्ञानाय एतस्या आवश्यकता भवति। प्राचीने समये एषैव भाषा सर्वसाधारणा आसीत्, सर्वे जना संस्कृतभाषाम् एव वदन्ति स्म। ईसवीयसंवत्सरात्पूर्व प्रायः समग्रमपि साहित्यं संस्कृतभाषायामेव उपलभ्यते। संस्कृतभाषायाः सर्वे जनाः प्रयोगं कुर्वन्ति स्म, इति तु निरुक्तमहाभाष्यादिग्रन्थेभ्यः सर्वथा सिद्धमेव। आधुनिक भाषाविज्ञानमपि एतदेव सनिश्चयं प्रमाणयति।

– चुड़ा देव, बीए प्रथम वर्ष

संस्कृत भाषा का महत्त्व निबंध

संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतम भाषा अस्ति।
संस्कृता भाषा परिशुद्धा व्याकरण सम्बंधिदोषादिरहिता संस्कृत भाषेति निगद्यते।
संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभुताभाषा अस्ति राष्ट्रस्य ऐक्य च साधयति भाषा अस्ति।
संस्कृतभाषा जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगस्य भवति।
सर्वासामेताषा भाषाणाम इय जननी।
संस्कृतभाषा सर्वे जानाम आर्याणां सुलभा शोभना गरिमामयी च संस्कृत भाषा वाणी अस्ति।
वेदाः, रामायणः, महाभारतः, भगवद् गीता इत्यादि ग्रन्थाः संस्कृतभाषायां एवं विरचितानि।
इयं भाषायाः महत्वं विदेशराज्येष्वपि प्रसिदं।
संस्कृतभाषायाः संरक्षणार्थं वयं संस्कृतपठनं प्रचरणं च अवश्यं करणीयं।
संस्कृतवाङ्मयं विश्ववाङ्मये स्वस्य अद्वितीयं स्थानम् अलङ्करोति।

– ज्योति कुमारी, बीए प्रथम वर्ष

भारतीय नार्यः

एका नारी शिक्षिता समपूर्ण परिवारं शिक्षितं कर्तुं शक्नोति। भारतीय नारी त्यागस्य प्रतिमेा, क्षमाशीला प्रेम्णः स्नेहस्य च दात्री अस्ति। तस्याः अनेके स्वरूपाः सन्ति। यथा–भगिनी, भार्या पुत्री, माता इत्यादयः। यद्यपि मुगलकाले नारीणा दशा शोचनीय आसीत् तथापि समाजसुधारकाणाप्रयासेः समाजात् अनेकः कुप्रथा यथा–बालविवाह' सतीप्रथा च समाप्ताः।

स्वतन्त्रतायाः पूर्वेऽपि अनेकाः लोकप्रियाः महिला अभवन तासु रानीलक्ष्मीवाई प्रमुखसीत्। कमलानेहरु, कस्तूरबा गांधी, सरोजनी नायडू आदयः महिला स्वतन्त्रताये कारागारमप्यगच्छन्। प्रसिद्धा गायिका लता मंगेश्करः तु 'भारतरत्नम!' इति सर्वोच्च सम्मान अलभत। किरण बेदी अनेकैः पुरस्कारैः पुरस्कृता। सन 1999 तमे वर्षे सा 'प्राइड ऑफ इण्डिया' इति पुरस्कारम् अध्यगच्छत्। अद्यत्वे यद्यपि नार्यः विविध क्षेत्रेषु नारीशक्तेः सर्वोतम प्रदशनि कुर्वन्ति मनुस्मृतौ मनुः अलिखत– ''यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

चेतना देवी।
बीए प्रथम वर्ष

परोपकारः

परेषाम् उपकारः परोपकारः कथ्यते। स्वार्थ परित्यज्य यदा अन्येषां कल्याणं क्रियते तत् परोपकारः कथ्यते। परोपकारः मानवस्य एकः उत्तमः गुण अस्ति। परोपकारेण जनेषु सुख शांति वृद्धि भवति। महात्मा दधीचि परोपकाराय एव स्वशरीरस्य असथीनि अपि ददौ प्राणान् अपि अत्यजत्। न केवलं मनुष्यः अपितु प्रकृतिः अपि परोपकारे रता दृश्यते। नद्यः स्वयंमेव जलं न पिवन्ति वृक्षाः स्वयं फलानि च परोपकाराय एव भवन्ति। अतः अस्माभिः अपि सदा परोपकारः करणीयः।

रूमा देवी, बीए प्रथम वर्ष।

समयस्य सदुपयोगः

समयस्य समुचिते रूपे उपयोगः एव समयस्य सदुपोगः कथ्यते। समयस्य सदुपयोगः मानवसमाजस्य हितसाधकेषु साधनेषु साधनं वर्तते। संसारे बहूनि वस्तूनि बहुमूल्यानि सन्ति परं तेषु सर्वापेक्षया बहुमूल्य वस्तु समयः एवं वर्तते। यतः अन्यानि वस्तूनि विनष्टानि अपि पुनः लब्धुं शक्यन्ते परन्तु व्यतीतः समयः केनापि उपायेन पुनः लब्धुं न शक्येते। विद्या विनष्टा पुनः अभ्यासेन लब्धुं शक्यते, धनं विनष्टं पुनः उपार्जनेन लब्धुं शक्यते, यशः विनष्टं पुनः सत्कर्मणा उपार्जयितु शक्यते परं विनष्टः समयः सस्त्रैअपि प्रयत्नैः दुर्लभः एव।
अतएव समयः सर्वाधिकं बहुमूल्यं वस्तु मन्यते।

पुष्पलता, कक्षा, बीए प्रथम वर्ष

अस्माकं साहित्ये विद्या महान् महिमा श्रूयते।

अस्माकं साहित्ये विद्या महान् महिमा श्रूयते। विद्या एवं मनुष्यस्य पाश्वे ईदृशं तत्वं येन तस्मिन वैशिष्टये सम्पद्यते, स च पशुभिभिन्नः प्रयोगेव दृश्यते। सदा शिशुः जायते, तदा सः पशुतुल्य एव भवति, किन्तु पश्चात् विद्यया तत्य द्वितीयं जन्मएव भवति। तदा सः अधिकतरं शोभते। येषां विद्या न भवति ते वस्त्राभूषणालङकता अपि सभामध्ये मूर्खाताकारणात् न शोभन्ते, ये पुनः विद्यावन्तो भवन्ति, ते सर्वत्र शोभन्ते, पूजयन्ते, सम्मान्यन्ते चा अत एवोच्यते स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वानं सर्वत पूज्यतें राजः मानः धर्नेश्वर्यकारणात् केवलं स्वराज्ये भवति परन्तु विद्यत्तायाः सर्वत्र सम्मानः भवति। यदि कश्चिद राजा विद्यांसा स्वदेशात् निष्कासयति, यद्यपि सः देशान्तरं गत्वां स्वविद्वत्तया ख्याति लभते।

अस्मिन संसारे मनुष्यः ख्याति सभ्यं वाग्व्यवहारं जनाति। वाम्चातर्येण सः सर्वेषा मनसि जतं समर्थाऽस्ति। विर्द्येव तादृशं धनं यत् केनादि चोर्रायतुं न शक्येत। अस्य धनस्य तु प्रवृत्तिः विपरीता एव। अन्यधनस्य तु दानेन क्षयो भवति परन्तु विद्या रूपस्य धनस्यस्य दानेन वृद्धि भवन्ति। मनुष्यः विद्यायेव चिन्ताक्षणेषुअपि शान्ति लभते। विद्या मनुष्ये धैर्य सञ्चारयति, सा तस्य हृदये अहिंसास्तेयत्यागा दिभावान् मित्राणि भवनित।

विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रचछत्रागुप्तं धनं।
विद्या भोगकारी यशस्यसुखकरी विद्या गुरुणां गुरुः।
विद्या बन्धजनों विदेशगमने विद्या परा देवता।
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्याविहीन पशुः।।

आशा, बीए प्रथम वर्ष।

कोरोना वायरस पर निबंध

"कोरोना ददाति संकटम् ।
रक्षन्तु स्वजीवनम् ।।"

कोरोना वायरसः एकः विश्वव्यापी संक्रामक रोगः अस्ति। अस्य उत्पत्ति चीन देशस्य वुहान नगरात् अभवत। कोरोना नामक संक्रामक रोगस्य प्रकोपः अति भयावहः अस्ति। विश्वस्य समस्त राष्ट्राः कोरोना नामक संक्रामक रोगेण ग्रसिताः सन्ति। अस्माकं भारतदेशः अपि कोरोना संक्रमणेन ग्रसितः अस्ति।

कोरोना संक्रामक रोगः मानवेषु श्वासनलिकासु संक्रमणम् कुर्वति। विश्व स्वास्थ्य सङ्घटनेन् अस्य संक्रामक रोगस्य नाम् कोविद् १६(19) दत्तम् । वर्तमाने कोरोना संक्रामक रोगस्य रोगद्रव्यनिवेशनं (वैक्सीन) सर्वत्र उपलब्धः अस्ति। भारतदेशे अपि कोरोना संक्रमणात् सुरक्षायै रोगद्रव्यनिवेशनं उपलब्धः । परन्तु कोरोना रोगात् सुरक्षा एव अतिउत्तमम् उपाय अस्ति। कोरोना संक्रमणात् सुरक्षायै ग्रहे तिष्ठम् अति उत्तमम् अस्ति। सर्वदा द्विगजस्य सामाजिक अंतरम् मुखसंरक्षकं आवरणम् प्रयोगं च अनिवार्यम् । वयं पुनः पुनः स्व हस्तं मुखं च फेनिलेन प्रक्षालयेत। कोरोना संक्रामक रोगात् मुक्तः सर्वे जनाः सहयोगं अति आवश्यकः अस्ति।

– वीना देवी, बीए प्रथम वर्ष

पर्यावरणनाशेन, नश्यन्ति सर्वजन्तवः

पर्यावरणनाशेन, नश्यन्ति सर्वजन्तवः।
पवनः दुष्टतां याति, प्रकृतिर्विक्रतायते।।
अस्माकं परितः वायुजलमृदाभिः आवृत्ते वातावरणः पर्यावरण कथ्यते।
पर्यावरणेन एव वयं जीवनोपयोगिवस्तुनि प्राप्नुमः।
जलं वायुः च जीवने महत्वपूर्णो स्तः।
स्वस्थ पर्यावरणं एव अस्माकं स्वस्थ जीवनस्य आधारः।
अधुना शुद्धपेयजलस्य समस्या वर्तते ।
अधुना वायुरपि शुद्धं नास्ति।
एवमेव प्रदूषित पर्यावरणेन विविधाः रोगाः जायन्ते।
पर्यावरणस्य रक्षायाः अति आवश्यकता वर्तते।
प्रदूषणस्य अनेकानि कारणानि सन्ति।
तीव्रगत्या नगरीकरण, औद्यौगिकापशिष्ट, पदार्थ, उच्चध्वनि, जनसँख्यावृद्धि, यानधूम्रादयः प्रमुखानि कारणानि सन्ति ।
पर्यावरणरक्षायै वृक्षाः रोपणीयाः।
तैल रहित वाहनानां प्रयोगः करणीयः।
स्वस्थ पर्यावरणं विना जीवनंसम्भवम् नास्ति।
अतएव पर्यावरणस्य संरक्षण संवर्धनं च भवेत।

– पुनित ठाकुर

वायुजलम्

वयं वायुजलमृदामिः आकृते वातावरणे निवसामः एतदेव वातावरणं पर्यावरण कथयते। पर्यावरणेनैव वयं जीवनोपयोगि वस्तुति प्राप्रमः। जलं वायुः च जीवने महत्त्वपूर्ण स्तः। साप्रनुमः शुद्ध नास्ति। एवमेव प्रदूषित–पर्यावरणेन विविधाः रोगाः जायन्ते। पर्यावरणस्य रक्षायाः अति आवश्यकता वर्तते। प्रदूषणस्य अनेकानि कारणानि सन्ति। औद्योगिकापशिष्ट पदार्थ उच्च–ध्वनि–यानधूम्रादयः प्रमुखानि कारणानि सन्ति। पर्यावरणरक्षायै वृक्षाः रोपणीयाः वयं नदीषु तडागेसु च दूषितं जलं न पतेम। तैल रहित वाहनानां प्रयोगः करणीय। जनः तरुणाः रोपणम् अभिरक्षणं च कुर्युः।

करिश्मा ठाकुर।

व्यायाम

भ्रमण.धावन.क्रीडनादिभिः शरीरम् श्रान्तकरणम् व्यायामः कथ्यते। व्यायामः नित्यं करणीयः भवति। अस्य नित्यानुष्ठानेन गात्राणि पुष्ठानि भवन्ति। शरीरे द्रुतं रक्तसञ्चारः भवति। प्रस्वेदैः शरीरात् आमयं विषं च निर्गच्छति। अनेन पावनकर्म अपि सम्यक् भवति। व्यवहितः व्यायामः यथैव अस्वास्थ्यप्रदः भवति तथैव अव्यवहित व्यायामः स्वास्थ्यकरः भवति। स्वस्थे शरीरे एव स्वस्थं मस्तिकं भवति। स्वस्थः जनः सुयोग्यः नागरिकः भवति। देशसेवां स्वस्थे एव नागरिकाः कुर्वन्ति। न चास्ति सदृशं तेन किंचित्स्थौल्यापकर्षणम् । आरोग्यं चापि परमं व्यायामादुपजायते। शरीर. माद्यं खलु धर्मसाधनम्।
व्यायामात् लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखं।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।

कविता ठाकुर, बीए प्रथम सत्र

सदाचारः

1. आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युध्मसो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।
2. श्वः कार्यमच्य कुर्वति पूर्वाहे चापराहिकम्।
नहि प्रतीक्षते मृत्युः कृतमस्य न वा कृतम्।
3. सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
पियं च नानृंत ब्रूयात् एष धर्मः एनातनः।
4. सर्वदा व्यवहारे स्यात् औदार्य सत्यता तथा।
ऋजुता मृदुता चापि कौटिल्यं न कदाचन।
5. श्रेष्ठ जनग्ुरुं चापि मातरं पितंर तथा
मनसा कर्मणा वाचा सेवेत सततं सदा।
6. मित्रेण कलंह कृत्वा न कदापि सुखी जनः।
इति ज्ञात्वा प्रयासेन तदेव परिवर्जयेत्।

– कुष्ण कुमार,, बीए प्रथम वर्ष।

श्लोक

कालिदासः जने जने
कण्ठे कण्ठे संस्कृतम्।
ग्रामे ग्रामे नगरे नगरे
गेहे गेहे संस्कृतम।।

मुनिजनवाणी कविजनवाणी
बुधजनवाणी संस्कृतम्।।
सरला भाषा मधुरा भाषा
दिव्या भाषा संस्कृतम्।।

मुनिजनवाञ्छा कविजनवाञ्छा
बुधजनवाञ्छा संस्कृतम्।।
जने जने रामायणचरितम्
प्रियजनभाषा संस्कृतम्।।

स्थाने स्थाने भारतदेशे
सदने सदने संस्कृतम्।।

– यमुना भारद्वाज, बीए तृतीय वर्ष

श्रोतं श्रुतेनैव न...

श्रोतं श्रुतेनैव न कुंडलेन, दानेन पाणिर्न तु कंकणेन।
विभाति कायः करुणापराणां, परोपकारैर्न तु चन्दनेन।।
न देवा दण्डमादाय रक्षन्ति पशुपालवत।
यं तु रक्षितमिच्छन्ति बुद्धया संविभाजन्ति तम्।।
सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वमेव संपदः।।
हस्तस्य भूषणम दानम्, सत्यं कठस्य भूषणं
श्रोतस्य भूषणं शास्त्राम, भूषणै' किं प्रयोजनम।।

– योगेश, बीए तृतीय वर्ष।

शिव स्तुति

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय
भास्माङगारागाया महेश्वराय
नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय
तस्मै "न" कराय नमः शिवाय

मंदाकिनी सलिलचन्दन चर्चिताय
नन्दीश्वर प्रमथनाथ महेश्वराय
मंदारपुष्प बहुपुष्प सुपूजिताय
तस्मै "म" काराय नमः शिवाय

शिवाय गौरिवदनाब्जवृन्द
सूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय
श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय
तस्मै "शि" काराय नमः शिवाय

वसिष्ठकुम्भोद्भवगौतमार्य
मुनीन्द्रदेवार्चितशेखराय
चन्द्रार्क वैश्वानरलोचनाय
तस्मै "व" काराय नमः शिवाय

यक्षस्वरूपाय जटाधराय
पिनाकहस्ताय सनातनाय
दिव्याय देवाय दिगम्बराय
तस्मै "य" काराय नमः शिवाय

पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवस्न्निधौ
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते

इति श्रीमद् शंकराचार्य विरचितं
शिवपञ्चाक्षरस्तोत्रम सम्पूर्णम

– खेम राज कला स्नातक, प्रथम वर्ष

वन्दे मातरम्

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरं।
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्
फुल्ल कुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्।
सुखदां वरदां मातरम्! वन्दे मातरम्
सप्त कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले
निसप्त कोटि भुजैर्धृउत खरकरवाले
के बोले मा तुमी अबले
बहुबल धारिणीं नमामि तारिणीम्
रिपुदलवारिणीं मातरम्! वन्दे मातरम्
तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि ह्रदि तुमि मर्म
त्वं हि प्राणाः शरीरे
बाहुते तुमि मा शक्ति,
ह्रदये तुमि मा भक्ति,
तोमारै प्रतिमा गडि मन्दिरे मन्दिरे! वन्दे मातरम्
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदल विहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्
नमामि कमलां अमलां अतुलाम्
सुजलां सुफलां मातरम्! वन्दे मातरम्
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्
धरणीं भरणीं मातरम्! वन्दे मातरम्

– बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय

प्रस्तुति : विजय, कला स्नातक, तृतीय वर्ष

संस्कृत प्रहेलिका

1. नात्र फलं वा खादामि न पिवामि जलं किंचित
चलामि दिवसे रात्रौ, समय बोध्यामि च।
2. मुखं कृष्ण वायुः क्षीण मंजूषाया च संसकृतम्
घर्षण मे दहयत्याशु रसवत्यां वसामह्यम।
3. एक चक्षुक्षुरन काकोअय बिलमिच्च्छं पन्नग
क्षीतये वर्धते चैव, न समुद्रों न चन्द्रमा।।
4. ''न तस्यादिः न तस्यान्तः मध्ये यः तस्य तिष्ठमि।
तवाप्यास्ति ममाप्यास्ति यदि जानासि तद्वद्व।।''
5. वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराजः
तृणं च शय्या न च राजयोगी।
सुवर्णकायो न च हेमधातुः
प्रसंगश्च नाम्ना न च राजपुत्रः।।

उत्तरम : 1. घंटी, 2. अग्निपेटिका, 3. सूचीका, 4. नयन, 5. आम्र।

–ढाबे राम, बीए तृतीय वर्ष

संस्कृत श्लोक

1. अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलं।।
अनुवादः बड़ों का सम्मान करने वाले और नित्य वृद्धों की सेवा करने वाले मनुष्य को आयु, विद्या यश और बल से चार चीजें बढ़ती हैं।
2. यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा, शास्त्रं तस्य करोति किं।
लोचनाभ्याम विह्निनस्य, दर्पणः किं करिष्यासि।।
अनुवादः जिस मनुष्य के पास स्वयं का प्रभा (विवेक) नहीं है, उसके शास्त्र किस काम के, जैसे नेत्रहीन व्यक्ति के लिए दर्पण व्यर्थ है।
3. सालस्योगंर्वितो निद्रः परहस्तेने लेखकः।
अल्पवियों विवाद च षडेते आत्मघातकाः।।
अनुवादः आलस होना, झूठा घमण्ड होना, बहुत ज्यादा सोना, पराये के पास लिखाना, अल्प आत्माघाती है।

– तारा देवी, बीए प्रथम वर्ष।

सत्येन रक्ष्येतधर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यत

सत्येन रक्ष्येतधर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यत
मृत्वया रक्ष्यते रुपं कुलं वृतेन रक्ष्यते।
परान्नं च परद्रव्यंथैव व प्रतिग्रहम
परस्त्रीं परनिदां च मनसा अपि विविर्जयेत्।
न हि कश्वित् विजानति कि कस्यश्वः भविष्यति
अतः श्वः करणीदानि कुर्वादद्यैव बुद्धिमान्।
विद्या ददाति विनयं विनयाददाति पात्रताम्
पात्रात्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मततः सुखम।

– दिपांशी कृष्णा, बीए प्रथम वर्ष

गुरु महिमा

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।
धर्मज्ञो धर्मकर्ता च सदा धर्मपरायणः।
तत्त्वेभ्यः सर्वशास्त्रार्थादेशको गुरुरुच्यते।
निवर्तयत्यन्यजनं प्रमादतः स्वयं च निष्पापपथे प्रवर्तते।
गुणाति तत्त्वं हितमिच्छुरंगिनाम् शिवार्थिनां यः स गुरु र्निगद्यते।
नीचं शय्यासनं चास्य सर्वदा गुरुसंनिधौ।
गुरोस्तु चक्षुर्विषये न यथेष्टासनो भवेत्।
किमत्र बहुनोक्तेन शास्त्रकोटि शतेन च।
दुर्लभा चित्त विश्रान्तिः विना गुरुकृपां परम्।
प्रेरकः सूचकश्वैव वाचको दर्शकस्तथा।
शिक्षको बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः।
गुकारस्त्वन्धकारस्तु रुकार स्तेज उच्यते।
अन्धकार निरोधत्वात् गुरुरित्यभिधीयते।

– कल्पना कुमारी, बीए तृतीय वर्ष

सुभाषीतानी

अयं निजः परो बेति गणना लघु चेतनसाम्
उदार चरितानां तु वसुधैवकुटम्बकम्।
अर्थ : यह मेरा है, यह उसके विचार हैं, जो केवल संकीर्ण दिमाग वाले लोग सोचते हैं। वसुधा व्यापक विचारों वाले लोगों की दृष्टि से एक परिवार हैं।
वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं।।
अर्थ : जिस मनुष्य की वाणी मीठी है, जिसका कार्य परिश्र से परिपूर्ण है, जिसका धन दान करने में प्रयोग होता है, उसका जीवन सफल है।
गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः
अर्थः गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही शंकर है ही साक्षात् परब्रह्मा है; ऐसे सद्गुरु को मेरा प्रणाम।

– मूल चंद, बीए तृतीय वर्ष

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणाम्म्
किम अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम्।
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शतं शतं प्रणामः।।

– दिपाली, बीए प्रथम वर्ष

सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला
या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा
या श्वेतपद्मासना।।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभर्देवैः
सदा वन्दिता।
सा माम् पातु सरस्वती
भगवती निः शेषजाडयापहा।।

शुक्लाम् ब्रह्मविचार सार परमाम् आद्यां जगद्व्यापिनीम्।
वीणा–पुस्तक–धारिणीमभयंदा जाऽयान्धकारापहाम्।।
हसते स्फटिकमालिकम् विद्धतीम् पद्मासने संस्थिताम्।
वन्दे ताम् परमेश्वेरीम् भगवतीम् बुद्धिप्रदाम् शारदाम्।।

– दिव्य, बीए प्रथम वर्ष।

संस्कृत श्लोक

1. जननी जनभमिश्च स्वर्गादापि गर्रासरी
मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युवर्यन्तम्
असमाकं रक्षण पोषण च कोरोति।
माता भूमि पुत्रोऽह पृथिव्यः इति
वेदवाक्यम् आस्ति। मातृभूमि सर्वे
नरैः वन्दनीय भवति
येन–केन प्रकारेण मातृभूमिः रक्षणं करणीयम्।
2. उत्सवे व्यसने प्राप्ते शत्रुसंकटे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति सः वान्धवः।।
3. वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया
लक्ष्मी दानवती यस्य सफल तस्य जीवितम्।
4. अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटम्वकम्।।
5. अष्टा पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्
परोपकार पुण्याय पापाय पीडनम्।

– पिया, बीए प्रथम वर्ष।

श्लोक

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदायन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संङगोऽस्त्वकर्मणि।।
अथार्त : कर्म करने में ही अधिकार है, उसके फलों में कभी नहीं। इसलिए कर्म फलों की इच्छा को त्याग देना चाहिए तथा कर्म न करने की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

क्रोधाद् भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृति विभ्रमः।
स्मृतिभ्रशांद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशत्प्रणश्यति।।
अर्थात् : क्रोध से मनुष्य अविवेकी बन जाता है और अविवेक से स्मरणशक्ति नष्ट हो जाती है। स्मरणशक्ति से बुद्धि नष्ट हो जाती है और बुद्धि से नष्ट होने से मनुष्य नष्ट हो जाता है।
विद्यां चाविद्यां च यस्तद् वेदोभयँ सह।
अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्यया मृतमश्नुते।।
अर्थात्: जो मनुष्य उन दोनों तात्विक ज्ञान और कर्म के तत्व को जाने लेता है, शास्त्रों के अनुसार वह मृत्यु को पार करके ज्ञान के माध्यम से अमृत को प्राप्त करता है।

– मेघा शर्मा, बीए प्रथम वर्ष।

श्रीमद्भवद्गीता के प्रमुख श्लोक

नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत।
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।
ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते।
क्रोधाद्भवति संमोहरू संमोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति।
यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।
यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।
हतो वा प्राप्यसि स्वर्गम्, जित्वा वा भोक्ष्यसे महिम्।
तस्मात् उत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयरू।
परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे–युगे।

–संजना, बीए प्रथम वर्ष

वन्दे भारतम्

हिमगिरी–कटिलटपट–परिधानम्,
ललित–हरित–कलुरित–वितानम्,
जलनिधि–जल–सुक्षालित–चरणम् भारतम्
वन्दे भारतम्।

कुसुमावलि–पुलकायित–वेशम्
मणिमण्डित–नीलम्बर–केशम्
गग्ङा–तुग्ङ–निवेशम्, भारतम्
भारतम्।
कालिदास कलकण्ठ–निनादम्
वाण–कणाद–सुपूजित–पादम्
मम्मट–कैयट–कोटि–सनादम्, भारतम्
वन्दे भारतम्
आध्यात्मिक–गुरुता–शुचि–शीलम्
सत्य–सनातन–सम्भृत–लीलम्
गीता–गुम्फित–तत्व–सनाधम्, भारतम्
वन्दे भारतम्।
विष्णु गुप्त–तिलकायित–भालम्
परशुराम–यापचित–मालम्
दुर्जन–दमन–कठोर–परालम्, भारतम्
वन्दे भारतम्।

–सुषमा, बीए तृतीय वर्ष।

संस्कृत सुक्तियां

1. आर्जव हि कुटिलेषु न नीतिः।
2. कालस्य कुटिलः गतिः।
3. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदापि गरीयसी।
4. प्रासाद शिखरस्योपि कालः किं गुरुणायते।
5. बुद्धिर्यस्य बलं तस्य निर्बद्धिस्य कुतो बलः।
6. विद्याधनं सर्व धनं प्रधानं।
7. सत्यमेव जयते नानृतं।
8. न हि सुपतस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।
9. परोपदेश बेलायां शिष्टां सर्वे भवन्ति वै।
10. वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसमादपि।
11. जलम् जल स्थानगतिम्।
12. सर्वथा एव रक्षणीयम्
13. निर्मलं जलं सपादनीयम्।
14. जल संरक्षणम् अनिवार्यम।

– रेशमा, बीए प्रथम वर्ष।

कोरोना दादाति संकटम्

रक्षतु स्वजीवनम्

कोरोना विषाणुः एकः विश्वव्यापी संक्रमण अस्ति

कोरोना विषाणुः अनेक प्रकराणां विषाणुनाम एकः समूह भवति।

कोरोना विषाणुः मानवेषु श्वासनलिकासु संक्रमणं भवितु अर्हति।

कोरोना विषाणों प्रकोपस्य आरम्भः चीनादेशस्य वुहान नगरतः 2019 वर्षे आगच्छति स्म।

विश्व स्वास्थ्य संङघटनेने अस्य विषाणु समूहस्य नाम् कोविद्–19 दतम्।

विश्व स्वास्थ्य संङघटनम् कथयत कोविद्–19 एक महामारी अस्ति।

करोना महामारी काले ग्रहे तिष्ठम् अति उतम्म अस्ति।

कोराना काले रूगणः प्रतिरोधक क्षमता कृते पौष्टिक आहारम् आवश्यक अस्ति।

द्विगजस्य सामाजिक अन्तरम् मुखसंरक्षक आवरणम् प्रयोगं च आवश्यकः अस्ति।

कोरोना महामारी मुक्तः सर्वे जनाः सहयोगम् अति आवश्यकम् अस्ति।

– चाँद किरण, बीए प्रथम वर्ष

जलम् जल स्धानगतिम्

सर्वथा एव रक्षणीयम।
जन्तूनां सुख जीवनं हेतु
जलस्य रक्षणम् नूनं भवतु।
निर्मल जलं संपादनीयम्
जल संरक्षणम् अनिवार्यम्।
अयोजनेन जीवितुम् भवेत्
विना जलं तु सर्वं हि नश्येत्।
किंचित् जलमपि पीतम्
दाहं कष्टं करोति दृश्म्।
शुष्कं तपनं हाहाकारः
जल सरंक्षणम् परिहारिकः।।

– गंगा देवी, बीए प्रथम वर्ष।

पहाड़ी अनुभाग

श्री रजनीश ठाकुर

प्राध्यापक–सम्पादक

देवेन्द्र वर्मा

छात्र–सम्पादक

सम्पादकीय

म्हारे कोलेजा री वार्षिक पत्रिका 'सराज शिखा' रे नौउंए संस्करणा रे छापणे बे म्हारे प्राचार्या वै तां पत्रिका रे मुख्य–सम्पादक श्री जोगिन्द्र सिंह ठाकुरा वै मेरी तरफा न बोहरी सारी शुभकामनाएं। पहाड़ी विभाग रा छात्र सम्पादका रा कौम श्री रजनीश ठाकुरे होरे मुंवै धिना। तिन्हें मूं पैंधे इतरा विश्वास केरू, ऊंइरी तैंइएं हाऊं इन्हारा आभार प्रकट केरा सा।

सौभी पाठकगणा वे मेरा प्रणाम। कुलुवी साहित्य रा विकास केरणा होर आपणी बोली, भाषा, कौम–काजा रा विकास होर आपणी वेशभषा; पौट्टू, दाठू रा सदा मान डाहणा म्हारा कर्त्तव्य सा। आपणी बोली री जुण मिठास आपणापन होआ सा, आसा सैभी चाहे बुजुर्ग ही किबे न हो, तिन्हा वै पियारा सैंगे हर गल समझा सेके। सैभी शोहरू–शोहरी शुणा मेरी गल्ल पौढ़ना–लिखणा हामा खूब बोली भाषा नी बिसरणी कधी। लिखणे मौंजे किछ गलती रोही होली तैवे केरा तमें सभे माह माफ़। सौभी शोहरू–शोहरी वै बि शुभकामनाएं।

जय कुल्लू, जय हिमाचल।

देवेन्द्र वर्मा

बीए तृतीय वर्ष

औजकालै रै शोहरू रै हाल

हैरा यारो औजकालै रे शोहरू रै हाल,
ऐकी क्लासा न ला सी चार साल।
घौरा ना ऐजा सी पौड़ने री तक,
कॉलजा ऐजीया मारा सी गप।
जैवे लागै होदै फेल,
तैवे बोला सी ऐ भी किस्मता रे खेल।
कदी चांक मारदै ता कदी हेरदै
जैवे लागी शोहरी केरदी इन्हैं री पिटाई।
तैवे लागै बोलदै, आसै सी तुसेरे भाई।
हर सौंजा जाना फाईव स्टार होटल,
तौखे जाइया पीणी रमै री बोतल।
पीरियड छौड़िया जाणा इन्हा फिल्मा हेरदै
फिल्म हैरिया लागै हिरो वैणदे।
राजनीति न एजिया वणा सी लीडर दूई डण्डे पोड़े ता वणा सी गीदड़।
मूवै पता सा मेरे भाईयो, कविता पौढ़िया होणा तुसा नाराज़
पर मूवै नैई होणा ऐसा गला रा एतराज़
शोहरुओ तुसै रखा थोड़ी शर्म,
मर्द जाती री रखा थोड़ी लाज
तैवे तुसरै वारै न मूं कविता लिखणी छौड़नी आज

- देवेन्द्र वर्मा,
बीए तृतीय वर्ष

आपणा कॉलेज

जीडीसी बंजार सा कॉलेज हमारा
य लागदा हामा दिला का प्यारा
कैम्पस आ कॉलेजा रा बड़ा प्यारा
जाणे रा मन नी करदा अखा का दुबारा
कॉलेजा रे चारों तरफ सा फूल
जो डाहंदा हमा बड़े ही कूल
फैक्लीट सा कॉलेजा री बैस्ट
विद्यार्थी करदा इयारी दिला का रिसपैक्ट
हर फैक्लटी अखली परफैक्ट
तेबा बोलदा लोका जीडीसी बंजार सा वैस्ट
जीडीसी सा बंजारा री शान
इऊ करना हि भारता रा ना महान्
मीठे-मीठे पल अखा का ले जाणे
हर जगह कॉलेजा रा ना चमकाऊणे
साफ-सफाई डाहे कॉलेजा रे आंगणा
यहै आ मेरे दिला री मनोकामना

- कविता ठाकुर
बीए द्वितीय वर्ष

कहावतें

1. सुना नी भेटदा हल बाहि
मोती नी लगदे डाल
कर्म नी हुंदे बांडणै बै,
पुत्र भी नी भेटदै धुआर।
2. हौच्छै नी दीणौ टुकड़ो
सह बैठा डेहली दुआरै
बड़े नी दीणौ मिहणौ
सह करा आलै-बखालै।
3. आली नी बाही कीछड़ी
पौषे नी दुहि गा
लाहने नी सिखी विद्या
फेरी लागै पछता।
4. ती तो तीतरी
अवली पठी भितरी।
5. आपू खाऊ नाले पाऊ
होरी वै दीना स्कीर्ती लाऊ।

- सत प्रकाश, बी कॉम द्वितीय वर्ष

जो भी हुन्दा भले वे हुन्दा

एक बारी थी एक राजा सोथी बड़े गुस्से आलो। एक बारी सो राजा नाठो लड़दो। गुन्ठा तेता बाद तेऊए रिहाऊ आपणा गुन्ठा आपणे मंत्री वे तेऊए मंत्री बोल तेऊवे जो भी हुन्दा भले री तेणी हुन्दा। तेऊ राजा आऊ आपणे मंत्री कारागार छाड़ी। तेता न बाद सो राजा नाठा जंगला वे केतहे शिकारा करदा। जंगले भेटे तेऊ वे गुंडे तयार गुंडे नींऊ सो राजा आपणी माता नैणा जौंहे बली दीणे वे जेभरे सो राज काटणो लाऊ एकी गुंडे हेरू तेऊरो गुन्ठो। तेता न बाद तेऊ गुंडे बोलू तेऊ रांजे बे तेरी किस्मत सा ठीक की तू आसा अपंग तेवा नी लाई तेरी बली दीणी तू नाश आपणे घरा वे। सो राजो होऊ बखे खुशी जो नाठो आपणे महल वे महिले पूजी करी तेऊए आपणो मंत्री काढु कारागार का बागे तेता बाद मिलाऊउ तेऊ आपणो मंत्री गले। शिक्षा- जो भी हुन्दा भले री तोणी हुन्दा।

- ज्योतिका महाजन, बी कॉम द्वितीय वर्ष

विद्या धन और अनुशासन

भारी सोचा मेंजे सभी का बड़ा अमीर एक करोड़पति आसा या नाई आसा? ढबे हुन्दा खर्च करी-करी खत्म।

बड़े का बडौ सेठ भी होई सका कंगाल। तेवा ऐड़ा कुण धन आसा जो खत्म नाई हुन्दा। चोरी भी नाई हुन्दी। मेरी सोचा मेंजे ऐई धना रा नाम आसा बिद्या धन। यौह धन लागदा पढ़ी-लिखी कमाऊंणा। ऐऊ धन जेतरे खर्चलै यह तेतेरी बढ़दा। विद्या धना कट्ठे करनें री कोई भी उम्र भी नाई हुंदी। पहली क्लास मेंजे शोहरू-शोहरी दाखल हुंदा। तेता पहिले आमा-बापू संगे भी बौहु सीखदा। आमा-बापू आपणे शोहरू वै बढ़िया संसकार दिंदा। पढ़ाई रा मतलब कुछ नंआ सीखणा हुंदा। आजकला रे पढ़ने आलै शोहरू-शोहरी आपू का बड़े री कदर नाई करदे। आजकला रे लिखि-पढ़ी दै शौहरू-शोहरी सोचा हामें आसा सभी का बड़े। हामा पढ़ी-लिखी करै आपणे आसा-पड़ोसा री हालत सुध ारणी। स्कूले हामा मास्टर बढ़िया-बढ़िया गला सखाऊंदा। विद्या ऐहड़ा परियाशा जो म्हारे चऊ फेरे निहारा आसा तेऊ दूर करदा। आपणी संस्कृति, रीति रिवाज सी पहचान करनी हामा। यह सरी सारी ज्ञान पढ़ी-लिखि करै हुंदा। पढ़ने औलै मेंजे अनुशासना रा हुणा भी जरूरी आसा। हामे चाहे केतरे भी पढ़ने लिखने मेंजे तेज़ होले जैबा हामा मेंजे अनुशान नाई होला तेबा आसा सब चीज़ा बेकार। अनुशासन हमारी जिंदगी मेंजे ऐतरा जरूरी कि ऐसा बगैर जिऊणा मुश्किल आसा। आज काला रै शौहरू-शोहरी लागे ऐआ गला बिसूरदे। मेरी ऐतरी अर्ज़ कि पढ़ने मेंजे ध्यान लाये। शोभली गला सिखणी तेवा हामें शोभले हूंणे तेवा म्हारा देश भी शोभला हुणा।

- दीपाली, बीए प्रथम वर्ष

म्हारा सकीर्णी

राजा म्हारे सकीर्णीआं।
पांजा कोठी रा मालिक तू।
कलयुग रा राजा
ओ देऊआ सकीर्णीआं।।
सकीर्णी तेरा मन्दिर लो,
सामने लाम्भरी री धारा,
जेवरे नाहन्दा तू सकीर्णी ज़ागरे वे
तन्दी लागदा जेड़े कुल्लू दशहरा।
दूरा-दूरा का लोका इहन्दा,
तेरी सकीर्णी धारा वे,
ओ देऊआ सकीर्णी आं।
फेर फिरदे खरशु आहंदे,
बिचे मन्दिर प्यारा तेरा।
फेर-फिरदे खरशु आहंदे,
बिचे तू आपू आहा।
लामी कोठी ठाकुर दुआला,
तेरी शान बोला,
बागी तेरी जान बोला।
ओ देऊआ सकीर्णीआं।

- दीया डोगरा, बीए द्वितीय वर्ष

जय अनंत बालूनाग

फरे फिरदा केलो रा जंगल,
बिचे तेरा मंदिर प्यारा।
जय भगवान अनंत बालूनाग
तेरी आसा जय-जयकारा।
निआहे घरट फागू सिओ,
घाटे कोठी चलू बालूनाग महाराज,
पिछे-पिछे पांज वढ़ दूई राजा।
हे बालू नागा, तेरी गौल खास
पूरी करदा सभी री आशा।
चार हूम चउजुगा री नशाणी।
अमृत तेरे शेष कुंड़ा रा पाणी।
लक्ष्मण रेख तेरी मशहूर, हुदा गोहरा री धारा,
बालो पाजों जेहड़ो कुंभारो पर्व, आसा तेरा बड़ा प्यारा।
कुलू मंडी दूई राहज तेरे पांजे़ गढे हाक धमाक।
बीर माण्हु बीर माता तेरा, राजे़ दरबारे बड़ी धाक।

- दिनेश मैहता, बीए द्वितीय वर्ष

बड़े बुजुर्ग

आपणी नी केरणी मना री पूरी
सियाणे सा बोलू हांडणी नी बुरी
थोड़ा सा टाईम लागणा,
दूरी सा नापणी पूरी।
सियाणे री कहावता बड़ी अनमोल,
बोलने ना पहले आपणी गला तोल,
पहले आपणी गल तोलनी, तुइन बाद बोल,
सियाणे री कहावता बड़ी अनमोल,
सियाणे बोलू शुणा आपणे बड़े री सारी,
इस जमाने फैली बड़ी दुराचारी
युगा ना फैलनी एण्डी भूखमरी,
सियाणे बोलू शुण.।
बुजुर्गे बोलू नशा नी केरणा, आपणा शरीर बचाना
ए मन सा बड़ा पागल जैढ़ा, ऐ बुधु बनाइन डाहणा,
जो ढवा खर्च नशे में सौ पाऊ तुसा बचाणा
बुजुर्गे बोलु नशा।
बुजुर्गे बोलू आसारे टाइम न कोई झगड़ा लड़ाई
ऐढ़े रहदां थी सारे मोहल्ले जैढें भाई-भाई
एक दूजे रा काम केरणा, चलदे जैंढे हाथ ढकी कलाई
इना सारी गल्ला आसावे, बुजुर्गे शुणाई।

सुषमलताए बीए द्वितीय वर्ष

दुई जौण

एक बारी दुई जौण थी। तिआ लागे सोचदै कि हामा खाणी थी सीड़ा। पर तिआ रे घरै नी थी आटा घीऊ। जो सह तिऊ री लाड़ी थी, तिसको पेउको थी तेत कोई नेड़, तेसआ बेटड़ी आई एक स्कीम। तेसे बोलू आपणे लाड़े वै कि मेरे पेऊकी रै घरे आहदा डटी घीऊ तेऊखी तेसके लाड़े बोलू, हामा केहे फेरे मांगणा शर्मे तिआआ घीऊ, तिआ बोलणा आसा कै ऐडे बेशर्म, आपु नी धाचती इआ रे गा। तेऊखी तिऊरी बेटड़ी बोलू, हामा करनी एक स्कीम। तिऊ बोलू के स्कीम, तेसे बेटड़ी बोलू हामा नाहणा जुझदे-जुझदे, हां नाऊली घीऊ आलै कमरे वे तु रहै मांहवै बागा का जुझदा लागी। तेऊखी सौ बेटड़ी नाठी घीऊ आले कमरे है, सह पुजी घीऊ रै बक्सा जौंए। तेऊखी तेसा जौंए नी थी घीऊ पाउणै वे किछै भांडा। तेसे बोलू आपणै लाडै बै जुझदे-जुझदे ''जालनों तु भांड ने भांडो'' तेसका मतलब थी कि ताह जौंए नी भांडा भी आहदा। तेऊखी तिऊ बोलू बागा का ''जालनी तु भोहरी भरीकण'' तिऊरा मतलब थी कि भोहरी ऊझे भर, खिसे-खासै ऊझै पा। तेहड़ी तिआ तेसके पेऊकी समझ नाई आई। तेऊखी काडू तेसै घीऊ, तेऊखी ठूहरी तिआ तंधाका। जौंए ठूहरी सौ बेटड़ी, पछैं ठुरू तेसको लाड़ौ तेसा ठुराउदौ। तेऊखी पुजै तिआ आपणै घरै, तेऊखी तेसकै आमा-बापू बोलू ऐसा इआ कंधा वे ठूहरी होलै। तिआ होई बड़ै हैरान कि ऐवा म्हारी शोहरी मारी होली तिऊ। तेऊखी तेसकी आमा बोलू तेसकै बापू वै कि पूरही नाहां, तिआ रै घरा वै हेरा तिआ कैह करदा। समझाए तिआ रै घरै तां भाली तिआ जौण लागदै घीऊ-सीड़ खांदे। तेऊखी तिऊ भी खाई घीऊ-सीड़ा, तेवरा पूरी नाठै सह घरा वै। तेऊखी तिऊ री लाड़ी बोलू कैह करदा तिआ। समझाई भी तम तिआ दुई जौण। तेऊखी तिऊ बोलू, ली तिआ लागैदै घीऊ-सीड़ा खादै। समझाई -त-समझाई माएं तिआ थी राम्वडै लागै दे रौंहदे। तिआ दुई जौण नी थी किच्छे होऊदा। तिआ थी आई दी घीऊ-सीड़ा खाणै री। तिए करू तैवा सह ड्रामा, जो तिआ तैसकै पेऊकी पता नाई थी।

दूर्गा देवी
बी कॉम द्वितीय वर्ष

कहावतें

होरी वे ज्ञान आपुवे ग्रोशटे।
अर्थात्- दुसरों के लिए कहना खुद उसका पालन नहीं करना।
पहिले तोलणा तैवे बोलना।
अर्थात्- सोच समझकर बोलना।
खाणे थी दाणे हाथ नी लाणे।
अर्थात्- बिना किए, फल की इच्छा करना।
शुणनी सभी र करनी आपणी।
अर्थात्- विचार सभी के सुनने चाहिए और करना वही जो आपको अच्छा लगता हो।

संजना
बी कॉम द्वितीय वर्ष

शोहरी

शोहरी आसा एक रत्न, शोहरी आसा दुनियां री आश।
शोहरी आसा एहड़ो मसौलो दूहि घरे करदा परयाशा।।
शोहरी आसा जोगणी रूप, दिओ-देवी, ऋषि-मुनि री प्यारी ।
शोहरी आसा माहणु रा दिल, अनंत बालू नागा रे खिला री क्यारी।।
असली धन कन्या रत्न, होरा धन ते भरा बाहद।
देइ नि सकदे कीमत एसकी, शाशु-शहरे, इज़-बाब।।
नजाण होई आज दुनियां मंझे, शोहरी री किमत बिसरी पाई।
दहेजा रो दानू बढ़दो लागो मारि आणी ठुराई-ठुराई।।
उठा नीजा का बिहुजा ऐबा, मिली-जुली करा जुधा री तैयारी।
खड़े चका लामें डाहुले शोठे, दहेजा रे दान दे आ बसारी।।
जे बरायागी बोलले दिले-दिमागे, वक्त आसा एभरे तांगा।
होआ तैयार रोहा होश्यार, टुशणी देआ इउ जाले रे रांगा।।
शोहरी आसा पवित्र धन, शूचा आसा जेहड़ा गंगा रा पाणी।
पढ़ि-लिखि हुंदा पूज़ा प्रतिष्ठा, ऐहड़े रोहंदा धाऊड़ी कहाणी।।
शोहरी आसा देशा री शक्ति, शोहरी मंज़े देशा रे प्राण।
पढ़ाआ, लखाआ शोहरू-शोहरी, शिक्षा देआ हीरे मोती न्याहदें कीमती, सभी का बड़ा कन्यादान।।

- धीरज, बीए प्रथम वर्ष

ऊझें आलो

एक बारी नांदा पांज चोर एक बूढ़ली रे घरा बे चोरी करदे। सोह बूढ़ली बखे गरीब। तेसरे घरे नी भेटा तियाहे चोरी वै किछे चोरी करने वे। तिया मौजां का एकी चोरा भेटे थोड़े जे चाऊल एकी टोकरू मेंजे ता दूजे चोरा वे भेटा थोड़ा जेहा दूध तियाहे के करू तियाह चाऊला होर दूधा री बणाई खीर। बूढ़ली थी बिस्तरे पेदें सूती दी। तेसे भी एक हाथ बिस्तरे का बागा वे लटकाऊं। चोरे जाणु बूढ़ली लागी दी खीरा मांगदी। तियाह मंजा एकी चोरे पाई तेसरे हाथा पेंदे ताती-ताती खीर। बूढ़ली री नीज नाठी। सौ डरी संगा लागी ज़ोरे-ज़ोरे लेरा पांदी। नेडे-नेडे रे लोका होई कठे। तेहुकी लागे पूछदे कि ताह के होऊ? खापरी री लेरा शुणी करी चोर भी डरी। तिहा मोंजाका चार चोर गोझी चहु कुणी में। पांजे चोरा वे नी भेटी जगहा गोझणे वे। सौ नांठो छापरा पेंदा वे गोझदो। बूढ़ली री लेरा शुणी करी लागे लोका तेसा वे पूछते कि ताह कै होऊ? बूढली वै नी थी किछै पता।

तेसे बोलू यो ता ऊझे आले जाणालो। तेसरां मतलब भी दईब जाण लो। पर छापरा आले चोरे जाणू कि खापरी लागी मांह फसाऊंदी। तेऊए बी बोलूं जोरे-जोरे या जो चौहु कुणी में गोझी दे या के तेरे चाचे लागदा।

भुवनेश्वरी ठाकुर
बीए प्रथम वर्ष

एनएसएस स्वयंसेवियों ने जाना संविधान

संवाद न्यूज एजेंसी

राजकीय महाविद्यालय बंजार में कार्यक्रम का आयोजन

बंजार (कुल्लू)। राजकीय महाविद्यालय बंजार में एनएसएस स्वयंसेवियों ने संविधान के बारे में जानकारी हासिल की। इसको लेकर महाविद्यालय में 'संविधान को जानें' कार्यक्रम पर विशेष वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम में राजनीति शास्त्र के प्रो. ... कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

लागू। यह 26 नवंबर 1949 को पारित हुआ और 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया। ... कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने कहा कि ... संविधान ...

पंजाब केसरी SAT,09 OCTOBER 2021 EDITION: KULLU KESARI, PAGE NO. 2

दो दिवसीय करियर व काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

बंजार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): राजकीय महाविद्यालय बंजार में विभिन्न रोजगार के अवसरों पर करियर और परामर्श प्रकोष्ठ के द्वारा 2 दिवसीय करियर और काउंसलिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य नीरज कपूर ने इस कार्यक्रम के तहत आए हुए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ता मनोज कुमार, ... सचिन, जी.सी. रायता और अखिलेश ... का स्वागत किया। उन्होंने कहा ... कार की कार्यशाला से ... सरलता होगी यह जानने ... लाभ अपने शिक्षा ... अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद वह अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। उनके समक्ष विभिन्न रोजगार के कौन-कौन से अवसर हैं यह सब उन्हें इन 2 दिनों में महाविद्यालय में इस कार्यक्रम के अंतर्गत बताया जाएगा। महाविद्यालय में ऐसा परामर्श कार्यक्रम यहां के विद्यार्थियों के लिए वरदान की तरह है। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. ... कुमार व कार्यक्रम के आयोजनकर्ता प्लान फाउंडेशन के महासचिव ... राम ने बताया कि आज कला संकाय के तीनों वर्ष के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में कालेज के ... प्राध्यापक उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय बंजार के होनहार किए पुरस्कृत

बंजार, 9 जून (लक्ष्मण): राजकीय महाविद्यालय बंजार के सत्र 2019-20 में उत्तीर्ण हुए 12 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को विधायक सुरेंद्र शौरी ने लैपटॉप देकर सम्मानित किया। इस दौरान कपिल कांत, मनीषा कुमारी, चंद्रेश कुमार, ...जेंद्र ठाकुर, नवीन ठाकुर, योगिता ठाकुर, ममता ...ी, दिवकल, मीमांसा दुग्गल, जासमीन शर्मा, ...विता ठाकुर और तुलसी राम को सम्मानित किया गया।

पुरस्कार पाकर चहक उठे मेधावी विद्यार्थी

बंजार कॉलेज के वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों ने दीं रंगारंग प्रस्तुतियां

पोस्टर मेकिंग में नैनिता रही प्रथम

...ली निकालकर ...लोगों को सड़क ...क्षा नियम बताए

कॉलेज में आयोजित भाषण स्पर्धा में अनी ने पाया पहला स्थान

विद्यार्थियों को दिलाई पर्यावरण संरक्षण की शपथ

बंजार (कुल्लू)। महाविद्यालय बंजार में विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कॉलेज में सोमवार को समन्वयक डॉ. जोगेंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व में ईको एनर्जी क्लब और विज्ञान संकाय की ओर से संयुक्त रूप से विज्ञान दिवस का आयोजन किया ...में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. नीरज कपूर ने मुख्यातिथि ...ज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इसके ...म में नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग आदि करवाई गई। संवाद

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

बंजार महाविद्यालय में मेधावियों को सम्मानित करते शिक्षा मंत्री गोविंद ठाकुर।

बंजार महाविद्यालय में शिक्षा मंत्री ने नवाजे होनहार

छात्रों से दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

बंजार, 2 अप्रैल (ब्यूरो): राजकीय महाविद्यालय बंजार में शनिवार को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन ...

सुरेंद्र शौरी उपस्थित रहे। इस मौके पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए ...

नारा लेखन में कुमारी दीपा और पोस्टर मेकिंग में संजना अव्वल

...फायरिंग में बंजार के ...

बंजार (कुल्लू)। महाविद्यालय बंजार ... में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। जिला ... प्रशिक्षण शिविर 22 से 27 नवंबर तक हु... प्रदेश के कैडेट्स समेत बंजार के 13 कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। ... संरक्षक ... सर्टिफिकेट ...

संयुक्त वार्षिक ... रेणुका थपियाल, ... विकास कुमार, पूनम

बंजार (कुल्लू)। राजकीय महाविद्यालय बंजार में सोमवार को प्राचार्य प्रो. नीरज कपूर की अध्यक्षता में अध्यापक अभिभावक संघ का गठन किया गया। इसमें सर्व सहमति से जय सिंह ठाकुर को अध्यक्ष अभिभावक संघ का अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष पद के लिए कुंदन लाल को चुना गया। सचिव पद के लिए प्रो. डॉ. जोगिंद्र ठाकुर और राजेश्वरी को संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। इसके अलावा अभिभावकों की ओर से श्रवण शर्मा, रेखा शर्मा, ... अध्यापकों ... कुमार, ... गया। कोषाध्यक्ष ... चेतराम ठाकुर ... का मुख्य ...

WED,13 OCTOBER EDITION: KULLU KE...

स्वयंसेवियों ने इकट्ठा किया कचरा

बंजार, 5 अक्तूबर (ब्यूरो): क्लीन इंडिया ...ग्राम के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय बंजार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर व बालागाड़ में प्लास्टिक व ... एकत्रित किया। वहीं ... की सफाई की। ...लीन इंडिया प्रोग्राम के ... आयोजित कार्यक्रम में 36 स्वयंसेवियों ने भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने बताया कि 31 अक्तूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवियों द्वारा अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्राचार्य प्रो. नीरज कपूर ने स्वयंसेवियों के प्रयासों की सराहना की।

बंजार : बालागाड़ में प्लास्टिक व अन्य कचरा एकत्रित करने के बाद सामूहिक चित्र में स्वयंसेवी।

SAT,02 OCTOBER 2021 EDITION: KULLU KESARI, PAGE NO. 3

योग को जीवन का अहम हिस्सा बनाना चाहिए : भुवनेश

कार्यशाला के दौरान योग करते हुए कालेज स्टाफ व विद्यार्थी।

नैशनल प्री. आर.डी. में एन.एस.एस. स्वयंसेवी श्यामा-रवीना का चयन

बंजार/कुल्लू, 12 अक्तूबर (ब्यूरो): राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय स्तर के पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर के लिए बंजार महाविद्यालय की स्वयंसेवी श्यामा दुग्गल और कुल्लू डिग्री कालेज की छात्रा रवीना का चयन हुआ है। बंजार महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग अंतिम वर्ष की छात्रा श्यामा के चयन पर कार्यवाहक प्राचार्य ने स्टाफ व एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका को बधाई दी है। श्यामा दुग्गल और रवीना खर्चा अब जयपुर (राजस्थान) में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। एन.एस.एस. नैशनल प्री.आर.डी. के लिए हर वर्ष हिमाचल से 10 युवक और 10 युवतियों का चयन होता है। छात्राओं ने कहा कि आगे भी वह कोशिश जारी रखेंगी कि 26 जनवरी को होने वाली परेड का हिस्सा बन सकें।

बंजार महाविद्यालय में योग कार्यशाला का आयोजन

15 छात्र-छात्राओं का एन.सी.सी. सेना कमान के लिए हुआ चयन

एन.सी.सी. की कार्यशाला में प्रोफेसर ज्योति बाला ने बढ़ाया हौसला

... ऑफलाइन भाग लिया।

इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई। इसमें महाविद्यालय बंजार प्रथम, कुल्लू द्वितीय और हरिपुर तृतीय स्थान पर रहा। प्रथम आने वाली विद्यार्थियों ...

'प्राध्यापकों और कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन'

'16वां सूत्रधार गुरु पूर्णिमा महोत्सव'

Academic Toppers (2020-2021)

Harshpreet Kaur
1st in B.A. 3rd Year

Bhuvneshwari
2nd in B.A. 3rd

Shanta Devi
3rd in B.A. 3rd

Dimple Chauhan
1st in B.Sc. 3rd Year

Ritika Chauhan
2nd in B.sc. 3rd Year

Manisha Negi
3rd in
B.sc.
3rd Year

Nitish Bhardwaj
1st in B.Com. 3rd Year

Nishu Devi
2nd in B.Com. 3rd Year

Chandrika
3rd in B.Com. 3rd Year

Art Work

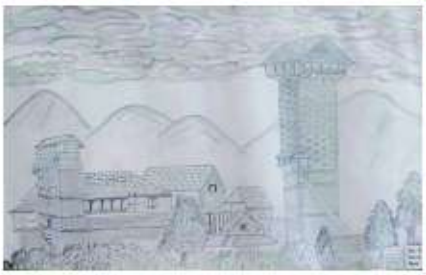

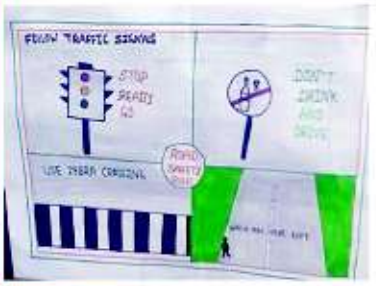

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Career Counseling, OJT, Job Mela

Literary Society

NSS & Rover-Rangers Activities

नेशनल पी.आर.डी. में एनएसएस स्वयंसेवियों का च

Science Day, Eco Energy Club

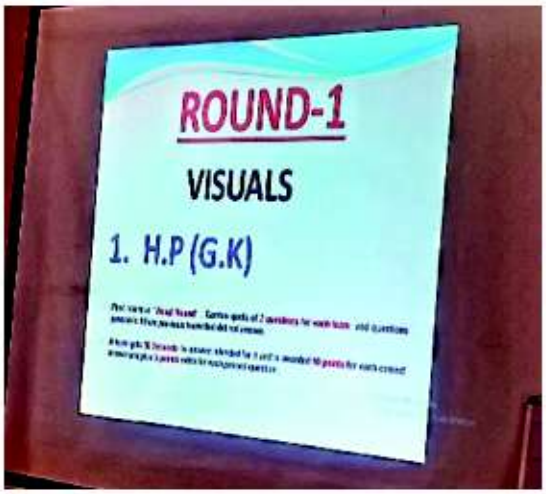

Glimpsis of Sirajotsav

Sports Mela, Sports Events and Independence Day Celebration

Yoga Day and Yoga Workshop

Annual Prize Distribution Function

Principal with Teaching Staff

Principal with Non-Teaching Staff

Glimpses of Annual Prize Distribution Function